राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 112 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 10 मार्च 2026 www.samaydarshan.in

विधानसभा का बजट सत्र

बस्तर संभाग के हजारों किसानों का धान नहीं खरीदने का आरोप

विपक्ष का वाक आउट

समय दर्शन

रायपुर। विधानसभा में आज बस्तर संभाग के हज़ारों किसानों के धान की खरीदी नहीं होने का आरोप लगाते हुए विपक्षी कांग्रेस विधायकों ने सरकार को घेरा। विपक्ष ने मांग की कि किसानों ने कर्ज लेकर धान लगाया। सरकार या तो इनका धान खरीद ले या फिर कर्ज पटा दे। मंत्री का इस पर कोई ठोंस जवाब सामने नहीं आने पर विपक्ष सरकार के खिलाफनारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गया। प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक लखेश्वर बघेल का सवाल था कि 2025-26 में धान खरीदी के लिए बस्तर संभाग के जिलों में पंजीकृत किसानों की संख्या, धान की खरीदी हेतु निर्धारित लक्ष्य एवं उपलब्धि सहित कितने किसानों ने प्रथम किस्त में व कितने किसानों ने दूसरे किस्त में धान जमा किए तथा कितने किसान धान जमा ही नहीं कर पाए?

वहीं दूसरे कांग्रेस विधायक कवासी लखमा का सवाल था कि जिला दंतेवाड़ा, नारायणपुर बस्तर, कोंडागांव तथा सुकमा में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में पंजीकृत

किसानों की अपेक्षा धान का विक्रय करने वाले किसानों की संख्या कम होने के पीछे क्या कारण हैं? उपरोक्त जिलों में टोकन के लिए कितने-कितने किसानों ने आवेदन किया था तथा कितने कितने किसानों को टोकन जारी किया गया?

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल की ओर से जवाब आया कि किसानों व्दारा धान विक्रय हेतु टोकन अनुसार उपार्जन केन्द्र में लाये गये समस्त मानक धान की खरीदी की गई है।

लखेश्वर बघेल ने पूछा 44 हजार से अधिक किसानों का धान नहीं खरीदा गया, इसके पीछे क्या वजह है? मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि जो आंकड़ा आप बता रहे हैं वह किसान धान खरीदी केन्द्र में धान लाए ही नहीं थे। लखेश्वर बघेल ने कहा कि आप कह रहे धान बेचने नहीं आए। कितने किसानों को वनाधिकार का पट्टा दिया गया? कितने किसान ऋणी हैं और कितने अऋणी हैं? मंत्री ने कहा कि जो भी किसान पंजीयन कराते हैं उनका शत प्रतिशत धान नहीं बिकता। ऐसा तब भी होता था जब आपकी सरकार थी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि इस सवाल का जवाब नहीं आया कि कितने किसान ऋणी हैं, कितने अऋणी और कितनों को वन अधिकार का पट्टा दिया गया। मंत्री ने कहा कि यहां जो सवाल लगा है उसमें ऋणी व अऋणी के बारे में पूछा ही नही गया है। भूपेश बघेल ने पूछा कि कितने किसान धान जमा किए, कितने नहीं किए और कितने किसानों का समर्पण कराया गया? मंत्री ने कहा कि यहां पर समर्पण को लेकर भी सवाल नहीं लगा है।

कवासी लखमा ने कहा कि पूर्व में जो प्रश्न हुए वही प्रश्न मेरे हैं। बस्तर के जिले, आदिवासी जिले हैं। मुख्यमंत्री आदिवासी हैं। फिर भी आदिवासी किसानों से धान खरीदी में सरकार पीछे क्यों? पंजीयन होने के बाद भी नहीं खरीदा गया। ऐसे किसानों की संख्या 5 जिलों में 32 हजार से अधिक है। मंत्री ने कहा कि जो किसान अपना धान खरीदी केन्द्र में लेकर आए उनसे खरीदा गया। नहीं खरीदा गया ऐसा कहा जाना अनुचित है। लखमा ने कहा कि नहीं खरीदे इसीलिए चक्काजाम हुआ। आंध्रप्रदेश, ओड़िशा के लोग यहां लाकर धान बेचे हैं। 32 हजार से अधिक किसान धान बेचने से रह गए, जिन्हें 206 करोड़ का भुगतान होना था। ऋण लेकर जिन किसानों ने धान बोया था, जो कि नहीं बिका अब उनका कर्जा क्या सरकार पटाएगी? मंत्री ने कहा कि जब बेचने पहुंचे ही नहीं तो खरीदा कैसे जा सकता है। लखमा ने कहा कि किसानों पर कर्जा ही कर्जा है। शादी का कर्जा, घर बनाने का कर्जा फिर धान की फसल बोने पर लेबर का कर्जा। मंत्री ने कहा कि पिछली सरकार की तुलना में दो-तीन गुना ज्यादा धान खरीदी हुई है। लखमा ने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के इन किसानों पर कर्ज का बोझ चढ़ गया है। या तो इनका नहीं बिका हुआ धान खरीद लें या कर्ज पटा दें। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूछा कि जो किसान धान बेचना चाहते हैं उसे खरीदेंगे क्या? इस पर मंत्री ने वही पुराना जवाब दोहराया। विरोध में कांग्रेस विधायकों ने नारेबाजी शुरु कर दी। भूपेश बघेल ने कहा कि यह किसानों के साथ धोखा है। मंत्री के उत्तर से हम संतुष्ट नहीं हैं। विरोध में वाक आउट करते हैं। इसके साथ ही सारे कांग्रेस विधायक नारेबाजी करते हुए सदन से बाहर चले गए।

महापुरुषों के जीवन और विचारों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ेगी नई पीढ़ी : मुख्यमंत्री साय

बीएसएस प्रणवानंद स्कूल के 'कल्चरल एंड हेरिटेज म्यूजियम' का किया अवलोकन

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित बीएसएस प्रणवानंद स्कूल परिसर पहुंचकर भारत माता की मूर्ति तथा भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक स्वामी प्रणवानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्कूल परिसर में स्थापित कल्चरल एंड हेरिटेज म्यूजियम का अवलोकन किया। स्कूल के सचिव स्वामी शिवरूपानंद जी महाराज ने उन्हें संग्रहालय का विस्तृत भ्रमण कराया। मुख्यमंत्री ने उत्सुकता के साथ संग्रहालय में प्रदर्शित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, ऋषि-मुनियों तथा भारत सेवाश्रम संघ द्वारा संचालित मानव कल्याण से जुड़े कार्यों और गतिविधियों की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्कूली बच्चों को भारत के समृद्ध इतिहास, ऋषि-मुनियों, महान चिंतकों, धर्म प्रवर्तकों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान से परिचित कराने की यह पहल अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता और संस्कृति अत्यंत प्राचीन, समृद्ध और गौरवशाली रही है, जिसे हमारे ऋषि-मुनियों, विद्वानों और महापुरुषों ने अपने ज्ञान, तप और त्याग से और अधिक समृद्ध बनाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी को अपने इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। इससे बच्चों में अपने राष्ट्र, संस्कृति और मूल्यों के प्रति गर्व की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि बीएसएस प्रणवानंद स्कूल द्वारा स्थापित यह संग्रहालय भावी पीढ़ी को हमारे धर्म, ग्रंथों, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का प्रेरणादायक माध्यम बनेगा। इस अवसर पर स्कूल के सचिव स्वामी शिवरूपानंद जी महाराज ने मुख्यमंत्री श्री साय को शॉल एवं स्मृति-चिन्ह भेंटकर उनका सम्मान किया। उल्लेखनीय है कि बीएसएस प्रणवानंद स्कूल में भारत के महान ऋषि-मुनियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले महान व्यक्तित्वों की प्रतिमाएं उनके जीवन और कार्यों की जानकारी के साथ स्थापित की गई हैं। इनमें महर्षि वेदव्यास, ब्रह्मर्षि विश्वामित्र, सुश्रुत, कणाद, आर्यभट्ट, रामानुजाचार्य, स्वामी विवेकानंद, राजा राममोहन राय, पृथ्वीराज चौहान, रानी लक्ष्मीबाई, खुदीराम बोस आदि उपस्थित थे।

खबर-खास

तालाब किनारे शराब पिलाने की सुविधा देने वाला युवक गिरफ्तार, आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई

बागबाहरा (समय दर्शन)। बागबाहरा थाना पुलिस ने अवैध रूप से लोगों को शराब पीने-पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से देशी शराब और डिस्पोजल गिलास भी जब्त किए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना बागबाहरा में पदस्थ प्रधान आरक्षक अपने हमराह स्टाफ आरक्षक योगेन्द्र बंजारे के साथ 8 मार्च 2026 को शासकीय वाहन से टाउन एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेट्रोलिंग और जुर्म-जरायम की पतासाजी पर निकले थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम दारगांव तालाब के किनारे एक व्यक्ति लोगों को शराब पीने-पिलाने की सुविधा दे रहा है। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी को अवगत कराते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गवाहों की उपस्थिति में घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही वहां शराब पी रहे कुछ लोग मौके से भाग गए, जबकि एक व्यक्ति को रंगे हाथ पकड़ लिया गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कृष्ण कुमार यादव (35 वर्ष) निवासी ग्राम दारगांव, थाना बागबाहरा, जिला महासमुंद बताया। आरोपी के पास से तीन पौवा देशी प्लेन शराब (प्रत्येक में 40-40 मिली) तथा पांच प्लास्टिक डिस्पोजल गिलास बरामद किए गए, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 36 (ष्ट) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया। मामला जमानती होने के कारण आरोपी को सक्षम जमानतदार प्रस्तुत करने पर जमानत मुचलके पर रिहा कर दिया गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

महिला दिवस पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सीमा चंद्राकर हुई सम्मानित

पिथौरा(समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग महासमुंद की ओर से आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम शंकराचार्य सांस्कृतिक भवन किया गया। जहां जिले भर के विभिन्न विभागों एवं क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सैकड़ो महिलाओं को मुख्य अतिथि महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा,कलेक्टर विनय कुमार लंगेह एवं अन्य अतिथियों के हाथों सम्मानित किया गया है। इस क्रम में पिथौरा विकासखंड के संस्कार शिक्षण संस्थान पिथौरा की संचालिका श्रीमती सीमा गौरव चंद्राकर को उनके द्वारा किए गए शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार व उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र मोमेंटो मुख्य अतिथि योगेश्वर राजु सिन्हा एवं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह तथा अन्य अतिथियों के हाथों सम्मानित किया गया ज्ञात हो कि श्रीमती सीमा चंद्राकर विगत कई वर्षों से संस्कार शिक्षण संस्थान पिथौरा में संचालित कर हजारों बच्चों को निशुल्क कौशल योजना पर्सनालिटी डेवलपमेंट बेटी बचाओ बेटी अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित कर कई बेटियों और महिलाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। इस उपलब्धि के लिए आज उन्हें जिला स्तर पर सम्मान किया गया है। अतिथियों ने श्रीमती सीमा चंद्राकर के द्वारा किए जा रहे कार्य को प्रशंसा किया।

जागृति महिला समिति कर्मचारी नगर में धूमधाम से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

दुर्ग (समय दर्शन)। कर्मचारी नगर स्थित जागृति महिला समिति कर्मचारी नगर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया यह जानकारी समिति की अध्यक्ष सविता रजनीश वर्मा द्वारा दिया गया महिला दिवस किया कार्यक्रम जागृति महिला समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। इस संबंध में जानकारी समिति की अध्यक्ष सविता रजनीश वर्मा ने दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग की प्रथम नागरिक महापौर अलका बाघमार उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग की अध्यक्ष सुश्री नीता जैन ने की, जबकि रत्ना नारमदेव और श्वेता बाकलीवाल विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों ने महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की उपलब्धियों में परिवार, समाज और अन्य लोगों का सहयोग महत्वपूर्ण होता है, लेकिन सबसे पहले महिला की अपनी योग्यता, आत्मविश्वास और पहचान बनाने की क्षमता ही उसे आगे बढ़ाती है। यदि एक महिला अपने परिवार को सही दिशा दे सकती है तो वह समाज और देश को भी सही दिशा देने की ताकत रखती है।

महिला दिवस पर जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन, बालिकाओं से लेकर महिलाओं ने दिखाया उत्साह

राजनांदगांव (समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बालिकाओं एवं महिलाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने तथा उनकी प्रतिभा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कमला कॉलेज मैदान में एक दिवसीय जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में माय भारत और साई सेंटर राजनांदगांव के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में 13 वर्ष की बालिकाओं से लेकर 45 वर्ष तक की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर मधुसूदन यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज महिलाएं सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक सभी क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की उपलब्धियों का उत्सव मनाने का दिन है। इसकी शुरुआत 1900 के दशक में तब हुई थी, जब महिलाओं ने बेहतर कामकाजी परिस्थितियों और मतदान के अधिकार के लिए आवाज उठाई थी। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। प्रतियोगिता के अंतर्गत 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया। इसके साथ ही रस्साकशी, चम्मच दौड़ और म्यूजिकल चेयर जैसी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में बालिका हॉकी खिलाड़ियों सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर नारी शक्ति का परिचय दिया।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को सर्टिफिक्रेट और मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना तथा उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देना है।

राजनांदगांव में अमित जोगी ने चखा जलाराम की दही कचौड़ी, कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी आज राजनांदगांव पहुंचे। वे कमला कॉलेज के पास स्थित जलाराम की प्रसिद्ध दही कचौड़ी का स्वाद लेने पहुंचे।

इस दौरान उनके साथ अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसुल आलम और जोगी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन अग्रवाल भी मौजूद रहे। पार्टी के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से युवा शहर अध्यक्ष बिलाल सोलिन खान, जिला महासचिव ऋषभ रामटेके, मुकेश साहू, उदित हरिहरनो सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अमित जोगी ने कार्यकर्ताओं से बातचीत की और उनके मुद्दों एवं सुझावों को सुना। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम पार्टी और जनता के बीच संवाद बढ़ाने में मददगार साबित होंगे।

यूपीएससी में चयनित संजय डहरिया समाज का अनमोल रत्न - एल एल कोशले

महासमुन्द (समय दर्शन)। प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज द्वारा देश की सबसे प्रतिष्ठित एवं कठिन परीक्षा युपीएससी में चयनित होने वाले बेलटुकरी निवासी संजय डहरिया को उनके माता-पिता व परिवार के साथ रायपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक में आमंत्रित कर मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र व शाल भेंट कर सम्मानित किया ।साथ ही बस्तर के गांधी से मशहूर धरमपाल सैनी को अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए किए गए सामाजिक कार्यों के लिए व अभनपुर निवासी पन्ना लाल नौरेगें द्वारा अनुसूचित जाति छात्रावासों में की व्यवस्था सुधारने के लिए तथा विजय कुमार ओझा को भी प्रदेशाध्यक्ष एल कोशले व प्रदेश पदाधिकारियों ने किया सम्मानित।

प्रदेशाध्यक्ष एल एल कोशले ने सम्मानित होने वालों शख्सियतो की कार्यो का विस्तृत जानकारी दिया ।विषम परिस्थितियों में युपीएससी में 946 वीं रैंक से चयनित होने वाले संजय डहरिया को समाज का अनमोल रत्न बताया तथा युवाओं को प्रेरणा लेने की बात कही।

प्रतिभाशाली अभाव ग्रस्त छात्रों की पहचान कर समाज करें सहयोग - संजय डहरिया

सम्मान समारोह में अपने संघर्षों को बताते हुए संजय डहरिया ने सामाजिक संगठनों व समाज के लोगों से अभावो में संघर्ष करने वाले प्रतिभाशाली छात्रों का पहचान कर सहयोग करने की अपील। आपकों कहीं भी ऐसे छात्र मिलें और अपनी मुकाम पाने की सपना बताए तो उसे कभी भी हतोत्साहित ना करें बल्कि हमेशा तुम कर सकते हो कहकर साकारात्मक उर्जा दे। संजय डहरिया के पिता जी लखन डहरिया, माता जी रेशमी डहरिया व बड़े भाई विजय डहरिया का फुल माला पहनाकर विशेष अभिनंदन किया गया। प्रदेश स्तरीय बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष सरजु प्रसाद घृतलहरे, कोषाध्यक्ष श्याम टोड़े, महासचिव मोहन बंजारे, सहसचिव दिनेश बंजारे कार्यकारिणी सदस्य श्यामलाल सितारे,डमरु मनहर, गुलाब टंडन,द्रोपदी जोशी, महिला प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष अंजलि बरमाल, बेमेतरा जिलाध्यक्ष राजालाल बंजारे, बलौदा बाजार जिलाध्यक्ष दीपक घृतलहरे, महासमुंद से जिला उपाध्यक्ष खोशिल गेड़े, जिला सचिव रेखराज बघेल, रायपुर जिलाध्यक्ष मनोज बंजारे, अश्वनी बबलू त्रिवेंद्र,युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती मधुबाला रात्रे गरियाबंद, दिनेश लहरें बिलासपुर एवं प्रदेश पदाधिकारी व विभिन्न जिलों से आए अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

पहले दिन 73 दोपहिया चालकों का ई-चालान

आईटीएमएस व 360 डिग्री कैमरों से शहर के चौक-चौराहों पर निगरानी, हेलमेट नहीं पहनने पर 500 रुपये जुर्माना

महासमुन्द (समय दर्शन)। सड़क दुर्घटनाओं में सिर पर गंभीर चोट लगने से होने वाली मौतों को रोकने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए जिला पुलिस ने 8 मार्च से हेलमेट नहीं पहनकर दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफई-चालान की कार्रवाई शुरू कर दी है। अभियान के पहले ही दिन 73 दोपहिया वाहन चालकों के ई-चालान जारी किए गए। जिला पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें और यातायात नियमों का पालन करें, ताकि दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोका जा सके और चालानी कार्रवाई से भी बचा जा सके। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर लगे लगभग 30 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। इसके अलावा आईटीएमएस (इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम) के आधुनिक कैमरे भी लगाए गए हैं। इन कैमरों की मदद से ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों की पहचान कर स्वत: ई-चालान जारी किया जाएगा। यह ई-चालान सीधे वाहन मालिक के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजा जाएगा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार चालान जारी होने के बाद निर्धारित समय के भीतर राशि का भुगतान करना अनिवार्य होगा। तय समय में भुगतान नहीं करने पर अतिरिक्त जुर्माना लगाया जा सकता है। साथ ही वाहन के बीमा, फिटनेस प्रमाण-पत्र या अन्य दस्तावेजों के नवीनीकरण के दौरान भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिभा पाण्डेय ने बताया कि लंबे समय से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट के उपयोग को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद अभी भी कई लोग हेलमेट पहनने के प्रति लापरवाह हैं। वर्ष 2024 और 2025 में जिले में कुल 476 सड़क दुर्घटनाओं में 327 लोगों की मौत हुई, जिनमें से 297 लोगों की मृत्यु दुर्घटना के दौरान हेलमेट न पहनने के कारण सिर पर गंभीर चोट लगने से हुई। वहीं वर्ष 2026 के पहले दो महीनों में हुई 37 सड़क दुर्घटनाओं में 24 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 20 लोगों की जान हेलमेट नहीं पहनने के कारण सिर पर चोट लगने से गई। ऐसे में सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को कम करने के लिए हेलमेट पहनना अत्यंत आवश्यक है और इसी उद्देश्य से ई-चालान की व्यवस्था शुरू की गई है।

हेलमेट न पहनने पर 500 रुपये का जुर्माना

एएसपी ने बताया कि बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति बार-बार नियमों का उल्लंघन करता है तो उसके ड्राइविंग लाइसेंस को रद्द करने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

30 आधुनिक कैमरों से हो रही निगरानी

शहर में 360 डिग्री तकनीक वाले लगभग 30 आधुनिक कैमरे लगाए गए हैं, जो चारों दिशाओं में घूमकर निगरानी करते हैं। ये कैमरे दूर से ही वाहनों के नंबर प्लेट को पहचानने में सक्षम हैं। बरोंडा चौक, बस स्टैंड, सिटी कोतवाली, अंबेडकर चौक, ओवरब्रिज तुमगांव रोड और नेहरू चौक सहित कई प्रमुख स्थानों पर ये कैमरे लगाए गए हैं, जहां लगातार निगरानी की जा रही है।

डीएवी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम अत्यंत उत्साह एवं गरिमा पूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ । कार्यक्रम का शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि उदिता श्रीवास्तव को पुष्पगुच्छ भेंट करके एवं तिलक लगाकर किया गया ।

तत्पश्चात प्राचार्य के द्वारा सभी शिक्षिकाओं को पुष्पगुच्छ द्वारा सम्मानित किया गया । कार्यक्रम की श्रृंखला में विद्यालय की शिक्षिकाओं ने पूरे जोश , उत्साह और ऊर्जा से भरपूर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम गीत , नृत्य ,भाषण आदि के द्वारा कार्यक्रम को आकर्षक बनाया ।जिन्हें उपस्थित सभी लोगों ने सराहा । प्राचार्य एस. के .श्रीवास्तव ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उक्त अवसर पर अत्यंत सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए गए। उन्होंने अर्धनारीश्वर का संदर्भ देते हुए बताया कि , अनादि काल से ही नारी पुरुष की प्रतियोगी नहीं बल्कि पूरक रही हैं। उन्होंने महिलाओं के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए उनका घर, परिवार और समाज के प्रति महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। इस अवसर पर उपस्थित सभी के लिए भोजन एवं नाश्ते की व्यवस्था भी की गई थी। समारोह में मुख्य अतिथि महोदया द्वारा गाया गीत अत्यंत प्रशंसनीय रहा । सभी शिक्षकों का सहयोग भी सराहनीय रहा ।उन्होंने भी अपनी अभिनय कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

अंत में समस्त शिक्षिकाओं द्वारा प्राचार्य महोदय को साधुवाद देते हुए आभार व्यक्त किया गया। इस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जिला महिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीमती सीमा शर्मा के नेतृत्व मे केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पूरी का किया पुतला दहन

जांजगीर (समय दर्शन)। राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला कांग्रेस श्रीमती अलका लांबा एवं प्रदेश अध्यक्ष महिला श्रीमती फूलों देवी नेताम के आदेश पर 8 मार्च को कचहरी चौक पर एप्सटीन फ़ाइल का हस्ताक्षर अभियान चलाया गया जिला महिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीमती सीमा शर्मा के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का पुतला दहन किया गया साथ ही कैंडल मार्च यात्रा निकालकर महिलाओं ने अपना विरोध दर्ज कराया है श्रीमती सीमा शर्मा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री को तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए महिलाएं अपने ऊपर हुये अत्याचार को बर्दाश्त नहीं करेंगे महंगाई को लेकर उन्होंने कहा कि गैस के दाम की बढ़ोतरी भाजपा सरकार कर रही है जिससे घर का बजट बिगड़ रहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चाहिए कि तत्काल हरदीप सिंह पुरी से इस्तीफा ले जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने भाजपा सरकार के मंत्री हरदीप सी परी तत्काल इस्तीफा की मांग की उन्होंने कहा कि गैस की बढ़ोतरी एवं महिलाओं पर अत्याचार कांग्रेस पार्टी एवं महिला कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल युवा कांग्रेस के अध्यक्ष पंकज शुक्ला जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष भगवान दास गढ़ेवाल जिला उपाध्यक्ष रफीक सिद्दीकी आदि थे।

मुख्यमंत्री साय वर्चुअल माध्यम से हुए शामिल, महिलाओं के खातों में किया 684 करोड़ रूपए का किया अंतरित, दी बधाई

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ग्राम छतौना में वृहद महतारी वंदन सम्मेलन आयोजित

मुंगेली(समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले के ग्राम छतौना (जरहागांव), सेतगंगा, मानस मंच लोरमी एवं झाफ्ल और मंगल भवन पथरिया में वृहद महतारी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बस्तर जिले में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश की 68 लाख से अधिक महिलाओं के खाते में 684 करोड़ रूपए से अधिक की राशि का अंतरण किया और हितग्राहियों को बधाई दी। इसमें जिले के 02 लाख 09 हजार 600 से अधिक महिलाओं के खाते में 19.22 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की गई। ग्राम छतौना के मंडी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज, लोरमी जनपद अध्यक्ष श्रीमती वर्षा सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अंबालिका साहू, श्रीमती रजनी मानिक सोनवानी, उमाशंकर साहू, जनपद पंचायत मुंगेली अध्यक्ष रामकमल सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में सरस्वती और भारत माता के छाया चित्र पर पूजा-अर्चना की गई। साथ ही राष्ट्रगान जन गण मन एवं राष्ट्रगीत वंदे मातरम गाया गया।

विधायक मोहले ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें समाज के हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। महतारी वंदन योजना, आवास योजना, बिजली बिल में राहत, स्वच्छ पेयजल की सुविधा और पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ महिलाओं को मिल रहा है। आज महिलाएं देश और राज्य की नेतृत्वकारी भूमिकाओं में भी आगे बढ़ रही हैं और हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। राज्य में बड़ी संख्या में महिलाएं लखपति दीदी बनकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं। महिलाएं सिलाई, कढ़ाई सहित विभिन्न व्यवसायों में आगे बढ़ रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रही हैं।

विधायक ने कहा कि राज्य सरकार को बने अभी दो वर्ष ही हुए हैं और इस दौरान विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। महिलाओं को विभिन्न योजनाओं से जोड़कर उन्हें रोजगार और व्यवसाय की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने महतारी सदन के निर्माण के लिए 30 लाख रुपये की घोषणा की। कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजना के तहत अब तक 684 करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिलाओं के खातों में सीधे अंतरित की जा चुकी है, जिससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनने में मदद मिल रही है। उन्होंने उपस्थित सभी महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

विधायक सहित कलेक्टर-एसपी एवं अन्य जनप्रतिनिधि हुए शामिल

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ग्राम छतौना में वृहद महतारी वंदन सम्मेलन आयोजित

रायपुर । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुंगेली जिले के ग्राम छतौना (जरहागांव), सेतगंगा, मानस मंच लोरमी एवं झाफ्ल और मंगल भवन पथरिया में वृहद महतारी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बस्तर जिले में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश की 68 लाख से अधिक महिलाओं के खाते में 684 करोड़ रूपए से अधिक की राशि का अंतरण किया और हितग्राहियों को बधाई दी। इसमें जिले के 02 लाख 09 हजार 600 से अधिक महिलाओं के खाते में 19.22 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की गई। ग्राम छतौना के मंडी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री भोजराम पटेल, अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ श्री प्रभाकर पाण्डेय, मुंगेली एसडीएम श्री अजय शतरंज, लोरमी जनपद अध्यक्ष श्रीमती वर्षा सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अंबालिका साहू, श्रीमती रजनी मानिक सोनवानी, श्री उमाशंकर साहू, जनपद पंचायत मुंगेली अध्यक्ष श्री रामकमल सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में सरस्वती और भारत माता के छाया चित्र पर पूजा-अर्चना की गई। साथ ही राष्ट्रगान जन गण मन एवं राष्ट्रगीत वंदे मातरम गाया गया। विधायक श्री मोहले ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें समाज के हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। महतारी वंदन योजना, आवास योजना, बिजली बिल में राहत, स्वच्छ पेयजल की सुविधा और पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ महिलाओं को मिल रहा है। आज महिलाएं देश और राज्य की नेतृत्वकारी भूमिकाओं में भी आगे बढ़ रही हैं और हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। राज्य

में बड़ी संख्या में महिलाएं लखपति दीदी बनकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं। महिलाएं सिलाई, कढ़ाई सहित विभिन्न व्यवसायों में आगे बढ़ रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रही हैं। विधायक ने कहा कि राज्य सरकार को बने अभी दो वर्ष ही हुए हैं और इस दौरान विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। महिलाओं को विभिन्न योजनाओं से जोड़कर उन्हें रोजगार और व्यवसाय की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने महतारी सदन के निर्माण के लिए 30 लाख रुपये की घोषणा की। कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजना के तहत अब तक 684 करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिलाओं के खातों में सीधे अंतरित की जा चुकी है, जिससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनने में मदद मिल रही है। उन्होंने उपस्थित सभी महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम को संबोधित किया और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में महिलाओं में काफी उत्साह और हर्ष का माहौल देखने को मिला। महिलाओं ने मंच के माध्यम से अपनी सफलता एवं आर्थिक सशक्तिकरण की कहानी साझा की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभागीय 16 अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही राष्ट्रीय स्तर के 38 बालिका खिलाड़ियों को 01 हजार 100 रूपए का चेक एवं शाल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी तरह कक्षा 10वीं और 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 06 बालिकाओं को 20 हजार रूपए की राशि, शील्ड व प्रशस्ति पत्र, जरहागॉव सुरभि क्लस्टर संगठन की 11 महिलाओं, महतारी वंदन योजना की राशि से व्यवसाय करने वाली 30 महिलाओं को शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कांग्रेस ने किया महिला पत्रकारों का ''कलम वीरांगना सम्मान''

रायपुर :- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व मीडिया के क्षेत्र में काम करने वाली महिला पत्रकारों का सम्मान कांग्रेस संचार विभाग द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, राज्य सभा सदस्य फूलोदेवी नेताम, पूर्व मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने शाल एवं मोमेंटो देकर महिला पत्रकार बहनों का सम्मान किया।

इस अवसर पर उद्बोधन देते हुये पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मीडिया के क्षेत्र में इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को काम करते हुए देख कर सुखद अनुभूति होती है। पहले के जमाने में प्रिंट मीडिया में पूरे रायपुर में तीन-चार महिला पत्रकार ही दिखती थी। यह बड़ी उपलब्धि है कि आज रिपोर्टिंग और एंकरिंग दोनों ही स्थानों पर महिलाओं ने अपनी जगह बनाई है। आज की नारी सशक्त हो गयी है। कांग्रेस पार्टी लगातार चार वर्षों से महिला पत्रकारों का सम्मान करते आ रही है। आप सबका यहां आना कांग्रेस के लिए गौरव का क्षण है। आजादी के समय से पत्रकारिता और पत्रकारों की अहम भूमिका रही है। आप सबका देश के नवनिर्माण लोकतंत्र को बचाने में बड़ी भूमिका है। महिला पत्रकारों के सम्मान की परंपरा आगे बढ़ाने के लिए संचार विभाग को बधाई।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में काम करना महिलाओं के लिये बड़ी चुनौती है आप सब इस चुनौती को बखूबी निभा रही है। आम सबको सम्मानित करके हमें खुशी हो रही है। विपक्ष के रूप में हमें मीडिया से विशेष संरक्षण की अपेक्षा रहती है। महिला पत्रकार देश के लोकतंत्र को संरक्षित एवं सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आम आदमी की आवाज पत्रकार होते है, आपका काम कठिन है, घर एवं काम में सामंजस्य बना कर जनता की सेवा करना महत्वपूर्ण है। हम सब आप को सेल्यूट करते है।

राज्यसभा सदस्य फूलोदेवी नेताम ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में महिला पत्रकार है यह देख कर सुखद आश्चर्य हो रहा है। महिला दिवस पर महिला पत्रकारों के सम्मान की यह परंपरा केवल छत्तीसगढ़ में देखने को मिलती है। कांग्रेस पार्टी हमेशा से महिलाओं का सम्मान करती है। महिला पत्रकार देश के सामने एक मिसाल है जो अपनी कर्मठता से समाज की रक्षा करती है।

पीएम जनमन आवास से जुगरी बैगा के पक्के आशियाने का सपना हुआ पूरा

रायपुर। विशेष पिछड़ी जनजातियों को शासन के सभी योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुए मुख्य धारा से जोड़ने की पहल का सीधा लाभ कबीरधाम जिले में निवासरत बैगा समुदाय के लोगों को मिल रहा है। जिले के पंडरिया विकासखंड में ग्राम गांगपुर है। जहां बैगा समुदाय की श्रीमती जुगरी बाई बैगा रहती है। उनका अपने परिवार के लिए एक पक्के आशियाने का सपना था, जो अब पीएम जनमन योजना से पूरा हो गया है। जुगरी बैगा ने आवास पूर्ण होने पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना ने उनकी दशा और दिशा दोनों बदल दी है। वर्ष 2023-24 में आवास की मंजूरी के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर पात्रता में नाम दर्ज किया गया। आवास के लिए पात्र होने पर जिला प्रशासन द्वारा अविलंब आवास के लिए 2 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान कर प्रथम किश्त की राशि रूपये 40 हजार सीधे उनके बैंक खाते में ऑनलाइन डीबीटी से जमा किया गया, जिससे

पक्का आवास बनाने का काम शुरू हो गया। रोजगार सहायक और तकनीकी सहायक के मार्गदर्शन पर आवास का निर्माण कार्य आगे बढ़ता गया। आवास की प्रगति पर द्वितीय किश्त की राशि 60 हजार रुपए, तृतीय किश्त की राशि 80 हजार रुपए एवं चतुर्थ किश्त की राशि 20 हजार रुपए हितग्राही को उनके बैंक खाता में ऑनलाईन डीबीटी से जारी कर दी गई। देखते ही देखते सपनों का घर बनकर तैयार हो गया। जुगरी बाई बैगा ने बताया कि अपने पक्के आवास के निर्माण कार्य मे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से 95 दिवस का रोजगार मिला और उसका मजदूरी भुगतान 24 हजार 795 रुपए अलग से अतिरिक्त लाभ के रूप में मिला गया। जुगरी आगे बताती है कि पहले इनका 7 सदस्य परिवार कच्चे झोपड़ीनुमा मकान में निवास करते थे। अपने परिवार का भरण-पोषण मजदूरी कार्य कर जीवन चलाती थी ऐसे में पक्का आवास बनाना बहुत कठिन था। मौसम के अनुसार अनेक परेशानियां विशेष कर बरसात के दिनों में बहुत होती थी। ऐसे में पक्का आवास मिलने से अब सारी समस्या दूर हो गई है। अपने बीते दिनों के संघर्षों को याद करते हुए जुगरी बाई ने कहती है कि अब जीवन मे चिंता की बात नहीं रही। मेरे पास अपना पक्का आवास है। प्रधानमंत्री जनमन आवास मेरे लिये सिर्फ मकान नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और जीवन में नए आत्मविश्वास का आधार बन चुका है और यह बहुत सी परेशानियों का स्थायी समाधान भी है।

सिम्स का जन औषधि केंद्र राज्य में सर्वश्रेष्ठ घोषित, प्रोत्साहन कार्यक्रम सम्पन्न

रायपुर। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र (PMBJP) भारत सरकार की एक पहल है, जो आम जनता को ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50% से 90% कम कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं (Generic Medicines) उपलब्ध कराती है। यह योजना आम लोगों, विशेषकर गरीबों के लिए चिकित्सा खर्च को कम करने और सस्ती, सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई है। इसका उद्देश्य महंगी दवाओं के बोझ को कम करना और स्वास्थ्य सेवा में पारदर्शिता, गुणवत्ता व किफायत में सुधार लाना। सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य के लिए सिम्स बिलासपुर में भारतीय रेडक्रास सोसाइटी द्वारा संचालित जन औषधि केंद्र को वर्ष 2024-25 में राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ जन औषधि केंद्र घोषित किया गया। इस उपलब्धि पर आज कलेक्टर संजय अग्रवाल की मौजूदगी में प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित कर

केंद्र से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर एवं रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष संजय अग्रवाल (आईएएस) थे। श्री अग्रवाल ने कहा कि यह योजना न केवल सस्ती दवाएं प्रदान करके सार्वजनिक स्वास्थ्य में योगदान देती है, बल्कि रोज़गार के अवसर भी सृजित करती है। नागरिकों को उनके चिकित्सा खर्चों पर काफी बचत करने में मदद मिलती है। अध्यक्षता सिम्स के डीन डॉ. रमनेश मूर्ति ने की। इस अवसर पर रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन डॉ. बी.एल. गोयल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शुभा गरेवाल तथा मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ.लखन सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जन औषधि केंद्र की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जन औषधि केंद्रों के माध्यम से आम नागरिकों को सस्ती और गुणवत्ता पूर्ण दवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

कुल 27 अधिकारी-कर्मचारियों की टीम द्वारा कॉल ट्रैकर एवं पेट्रोलिंग के माध्यम से त्वरित सहायता सुनिश्चित की जाएगी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ संजीव शुक्ला की महिलाओं की सुरक्षा की दिशा में नई पहल

रायपुर। : रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ संजीव शुक्ला द्वारा दिनांक 08 मार्च 2026 (रविवार) को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पिंक पेट्रोलिंग टीम की शुरुआत की गई है। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अमित कांबले द्वारा पिंक पेट्रोलिंग टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त CAW/ HQ डॉ अर्चना झा , अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सेंट्रल श्री तारकेश्वर पटेल , सहायक पुलिस आयुक्त CAW रुचि वर्मा , सहायक पुलिस आयुक्त लाइन श्री निलेश द्विवेदी , एवं अन्य पुलिस अधिकारी गण उपस्थित थे । इस पहल के अंतर्गत कुल 27 अधिकारी एवं कर्मचारी की टीम

गठित की गई है, जो कॉल ट्रैकर एवं कंट्रोल यूनिट तथा पेट्रोलिंग के माध्यम से महिलाओं से संबंधित आपात स्थितियों में त्वरित सहायता प्रदान करेगी। पिंक पेट्रोलिंग टीम प्रतिदिन दो शिफ्टों में कार्य करेगी, जिसमें पहली शिफ्ट प्रात: 06:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक तथा दूसरी शिफ्ट दोपहर 02:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक संचालित होगी। कॉल ट्रैकर एवं कंट्रोल यूनिट महिलाओं से जुड़ी आपातकालीन कॉल प्राप्त कर तत्काल संबंधित डीसीपी जोन की पिंक पेट्रोलिंग टीम को सूचना देगी, जिस पर पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंचकर आवश्यक सहायता सुनिश्चित करेगी। महिलाओं को त्वरित सहायता प्रदान करने हेतु समर्पित व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 94792-10932 भी जारी किया गया है, जिसके माध्यम से महिलाएं आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सहायता प्राप्त कर सकेंगी। पिंक पेट्रोलिंग टीम रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत कार्य करेगी तथा इसे तीन डीसीपी जोन के अनुसार तैनात किया गया है। प्रत्येक जोन में एक समर्पित पिंक पेट्रोलिंग टीम द्वारा नियमित पेट्रोलिंग की जाएगी। यह टीम सप्ताह में दो दिन स्कूल, कॉलेज, मॉल एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिला सुरक्षा कानूनों की जानकारी, हेल्पलाइन नंबर तथा सुरक्षा संबंधी सुझावों का प्रचार-प्रसार भी करेगी। साथ ही स्टॉकिंग एवं ईव-टीजिंग संभावित क्षेत्रों में सरप्राइज पेट्रोलिंग, संवेदनशील स्थलों का सर्वे एवं मैपिंग किया जाएगा। पिंक पेट्रोलिंग टीम विशेष रूप से कामकाजी महिलाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करेगी। आवश्यकता होने पर मौके पर ही काउंसलिंग एवं सहायता प्रदान की जाएगी तथा हॉस्टल एवं पीजी में रहने वाली महिलाओं से सतत संपर्क बनाए रखा जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित महिला हेल्पडेस्क अथवा महिला थाना से समन्वय स्थापित कर उचित वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

रायपुर पुलिस की अपील :- महिलाओं से संबंधित किसी भी प्रकार की आपात स्थिति, उत्पीड़न, स्टॉकिंग या छेड़छाड़ की सूचना तत्काल पुलिस को दें अथवा व्हाट्सएप हेल्पलाइन 94792-10932 पर संपर्क करें।

संक्षिप्त समाचार

आरआर काबेल ने घोषित किए काबेल स्टार सीज़न 4 के विजेता, 4 करोड़ की छात्रवृत्ति कार्यक्रम के चार वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया

रायपुर: भारत की अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स और वायर एवं केबल निर्माता कंपनी आरआर काबेल ने रायपुर में अपने काबेल स्टार छात्रवृत्ति कार्यक्रम 2025 के विजेताओं की घोषणा की। यह छात्रवृत्ति कार्यक्रम खासतौर पर उन इलेक्ट्रिशियनों के बच्चों के लिए बनाया गया है जिन्होंने इस वर्ष अपनी 10वीं की परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी की है। आरआर काबेल के शिक्षित और सशक्त भारत के विज़न के अनुरूप, कंपनी इन होनहार छात्रों की उच्च माध्यमिक शिक्षा को प्रोत्साहित और सहयोग करने के लिए हर साल 1 करोड़ रुपये से अधिक की राशि देती है। अब तक पूरे देश में लगभग 4000 छात्रों को प्रत्येक को 10,000 की छात्रवृत्ति मिल चुकी है। यह छात्र न केवल आर्थिक सहयोग प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि अपने सपनों को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम भी उठा रहे हैं। इस बार चौथे सीज़न में अभूतपूर्व संख्या में आवेदन आए। देशभर के लगभग 1,000 विजेताओं में से रायपुर के 8 विजेताओं को सम्मानित किया गया। यह छात्रवृत्ति 2022 में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य 'काबेल दोस्त' कहे जाने वाले इलेक्ट्रिशियनों के बच्चों को उच्च शिक्षा के सपनों को पूरा करने में मदद करना है। अपनी शुरुआत से ही, इस पहल का वास्तव में परिवर्तनकारी प्रभाव रहा है—देश भर के योग्य छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।

पिछले कुछ वर्षों में, इस कार्यक्रम का दायरा और कार्यक्रम की प्रेरक शक्ति और अपनी सोच साझा करते हुए आरआर ग्लोबल की डायरेक्टर, श्रीमती कीर्ति काबरा ने कहा, आरआर काबेल में हमारे काबेल दोस्त हमेशा हमारे सफर की नींव रहे हैं, सिर्फबिज़नेस पार्टनर नहीं। काबेल स्टार छात्रवृत्ति कार्यक्रम के ज़रिए हम केवल आर्थिक मदद ही नहीं, बल्कि ऐसी संभावनाओं के द्वार खोल रहे हैं जो आने वाली पीढ़ियों की ज़िंदगी बदल सकते हैं। हर बच्चा जो बड़े सपने देखता है, उसे उन्हें पूरा करने का अवसर मिलना चाहिए। इन युवाओं को आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य की ओर बढ़ते देखना ही इस पहल की सच्ची सफलता है।

भारतीय अब अपनी भाषा में यात्रा की खोज करने लगे हैं: मेकमायट्रिप

गुरुग्राम। भारत की प्रमुख ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी मेकमायट्रिप ने आज अपने जेन-एआई आधारित ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट से मिले कुछ शुरुआती रुझान साझा किए हैं। ये संकेत देते हैं कि भारतीय यात्री अब वॉइस के माध्यम से किस तरह से इंटरैक्ट करना शुरू कर रहे हैं और इसमें एक नया व्यवहारिक रुझान उभर रहा है। मायरा का यूज़र बेस अभी बढ़ रहा है और इस पर रोज़ाना 50,000 से अधिक बातचीत हो रही है, लेकिन शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि वॉइस सर्च लोगों को अपनी बात ज़्यादा खुलकर, संदर्भ के साथ और अपनी पसंदीदा भाषा में रखने का मौका दे रहा है। यह तरीका टेक्स्ट के ज़रिए सर्च करने के पारंपरिक तरीके से काफी अलग और स्वाभाविक है। वॉइस और टेक्स्ट सर्च के बीच बढ़ता अंतर इस्तेमाल के शुरुआती पैटर्न में ही यह साफदिखने लगा है कि लोग टाइप करते समय और बोलकर अपनी बात रखते समय अलग तरह का व्यवहार करते हैं। ज़्यादातर टेक्स्ट सर्च आमतौर पर 3-4 शब्दों के छोटे, संक्षिप्त और सीधे कीवर्ड वाले होते हैं, जैसे गोवा होटल्स चीप या दिल्ली मुंबई फ्लाइट। वहीं, वॉइस सर्च का तरीका काफी अलग नज़र आ रहा है। लगभग 23 प्रतिशत वॉइस क्वेरी 11 शब्दों से ज़्यादा लंबी होती हैं, जबकि टेक्स्ट सर्च में ऐसा केवल 7 प्रतिशत मामलों में होता है। बोलते समय लोग स्वाभाविक रूप से एक ही वाक्य में कई चीज़ें बता देते हैं—जैसे जगह की लोकेशन, होटल की सुविधाएँ, बजट, साथ में कितने लोग हैं और यात्रा की तारीखें। उदाहरण के तौर पर लोग इस तरह पूछ रहे हैं: नार्थ गोवा में बीच के पास पूल वाला किफायती होटल दिखाइए या 2 वयस्क और एक बच्चा, 14 जनवरी से 3 रात, बजट 15,000 रुपये प्रति रात से कम। कई सर्च श्रेणियों में शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि वॉइस का इस्तेमाल टेक्स्ट के मुकाबले काफी ज़्यादा हो रहा है। तारीखों से जुड़ी सर्च में यह अंतर सबसे ज़्यादा है, जो वॉइस पर टेक्स्ट की तुलना में 3.3 गुना अधिक है। लोग टाइप करते समय तारीखों को बहुत छोटा और संक्षिप्त (जैसे 26-29 दिसंबर) लिखते हैं, जबकि बोलते समय वे स्वाभाविक तरीके से कहते हैं— 26 दिसंबर से 29 दिसंबर तक या अगले शुक्रवार से रविवार तक।

सैमसंग ने गैलेक्सी एम 17ई 5G पेश किया, भारत के युवा यूजर्स के लिए एक ऑल-इन-वन स्मार्टफोन

गुरुग्राम — सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज अपने गैलेक्सी M17e 5G की सारी खूबियों की जानकारी दी है। यह फोन 17 मार्च को लॉन्च किया जाएगा। तेजी से बदलती डिजिटल जीवनशैली में युवा यूजर्स को ऐसे डिवाइस की जरूरत होती है जो उनके काम करने, संवाद करने और कंटेंट उपभोग करने के तरीके के साथ तालमेल बिठा सकें। गैलेक्सी M17e 5G एक शानदार डिस्प्ले, भरोसेमंद बैटरी, कुशल प्रोसेसिंग, इनेबल्ड कैमरे और इंटेलिजेंट सॉफ्टवेयर को जोड़कर एक संपूर्ण स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करता है। गैलेक्सी M सीरीज पहले से ही भारत में सैमसंग के सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले स्मार्टफोन लाइन-अप में से एक है। गैलेक्सी M17e 5G के साथ सैमसंग इस सीरीज को और विस्तार दे रहा है, जिसमें एक ऐसा डिवाइस है जो प्रमुख स्मार्टफोन फीचर्स में विश्वसनीय परफॉर्मेंस और रोजमर्रा की उपयोगिता प्रदान करता है।

मोटोरोला एज 70 फ्यूज़न लॉन्च

मोटोरोला, मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में ग्लोबल लीडर तथा भारत के प्रमुख AI स्मार्टफोन ब्रांड, ने आज मिड-प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट में मोटोरोला एज 70 फ्यूज़न लॉन्च किया। इस डिवाइस में कैमरा में महत्वपूर्ण इनोवेशन, शानदार विजुअल्स और नेक्स्ट-जेन ऑन-डिवाइस AI को पेश किया गया है। यह दुनिया का पहला 50MP सोनी-LYT 710 कैमरा motoAI के साथ लाता है, जो बेहतरीन लो-लाइट क्लैरिटी, बिना ब्लर के शॉट्स, 100% ट्रू कलर्स और पैंटोन™ द्वारा वैलिडेटेड स्किन टोन्स, साथ ही सभी लेंस पर 4K वीडियो रिकॉर्डिंग देता है। इसमें ऑल-न्यू डिजाइन के साथ ही पैंटोन™ क्यूरेटेड कलर्स में लग्ज़री फैब्रिक फिनिश, भारत का एकमात्र 144Hz 1.5K ट्रू कलरट्रू क्राड-कर्व्ड पैंटोनइ वैलिडेटेड डिस्प्ले दिया गया है। 7000mAh सिलिकॉन-कार्बन बैटरी, 68W टर्बोपावर™ चार्जिंग, स्नैपड्रैगन® 7s Gen 4 पावर और IP68 + IP69 तथा MIL-STD-810H ड्यूरेबिलिटी के साथ, मोटोरोला edge 70 fusion सेगमेंट में स्मार्टफोन का शानदार अनुभव देता है।

संपादकीय

भारत तक पहुंची आंच

भारत के अतिथि जहाज को भारतीय जल क्षेत्र के करीब डुबो देना भारत की प्रतिष्ठा के प्रति अमेरिका की बेपरवाही की मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति अवश्य दर्ज करानी चाहिए। ईरान पर अमेरिका- इजराइल के हमले से पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध की आंच बुधवार को भारत तक पहुंच गई, जब भारतीय जलसीमा के करीब ईरान के जहाज इरिस देना को अमेरिका ने डुबो दिया। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीटर हेगसेट ने इसे अपने देश की एक बड़ी सैन्य सफलता के रूप में पेश कर इस बारे में कोई भ्रम नहीं रहने दिया कि ये कार्रवाई योजनाबद्ध ढंग से की गई। अमेरिका ने ऐसा करने को सोचा, यह भारत के प्रति उसके तौहीनी नजरिए का परिचायक है। आखिर वो जहाज भारतीय नौसेना के अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा कार्यक्रम- मिलन- में भाग लेने भारत के आमंत्रण पर आया था। विशाखपत्तमन में इस कार्यक्रम में भाग लेकर वह लौट रहा था। ईरान ने कहा है कि चूंकि जहाज युद्ध से बाहर के क्षेत्र से गुजर रहा था, अत: उसकी हथियार प्रणालियों को सुरक्षित एवं निष्क्रिय मोड में रखा गया था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है- 'हम मान कर चल रहे थे कि हम दोस्ताना जल क्षेत्र में हैं, अत: जहाज पर सवार अधिकांश लोग समारोहों में भाग लेने वाले गैर लड़ाकू कर्मचारी थे।' डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ऐसे जहाज पर हमला करने को सोचा, यह तमाम अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मर्यादाओं को ठेंका दिखाने के उसके नजरिए मेल खाता है। मगर ऐसा भारत के अतिथि जहाज के साथ भारतीय जल क्षेत्र के करीब करना भारत की चिंताओं के प्रति उसकी असंवेदनशीलता की भी मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति दर्ज करानी चाहिए। दुनिया में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करने की सबसे पहली शर्त खुद अपनी प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहना होता है। वेनेजुएला और ईरान के मामलों में अंतरराष्ट्रीय नियमों के पक्ष में आवाज ना उठा कर भारत ने पहले ही अपनी अंतरराष्ट्रीय हैसियत की अनदेखी की है। मगर अब बात सैद्धांतिक रुख तय करने की नहीं, बल्कि अपने मामले में बोलने की है। कम-से-कम यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि अमेरिका अपने युद्ध की आंच हम तक पहुंचाए। भारत के क्षितिज पर वैसे ही अमेरिकी युद्ध के आर्थिक दुष्परिणामों का अंदेशा सघन होता जा रहा है।

कबूतरी संचार की पुरानी व्यवस्था

रजनीश कपूर

ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 'पिजन लॉफ्ट' सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे।आज के डिजिटल युग में जहां व्हाट्सएप, वीडियो कॉल, इंटरनेट और सैटेलाइट फोन से पल भर में संदेश दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच जाते हैं, वहां एक प्राचीन संचार माध्यम अभी भी जीवित है ङ्क 'कैरियर पिजन सर्विस'। यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि वास्तविकता है। ओडिशा पुलिस की कैरियर पिजन सर्विस दुनिया की एकमात्र ऐसी पुलिस फोर्स है जो इस विरासत को आज भी संरक्षित रखे हुए है। यह सेवा न सिर्फ इतिहास की याद दिलाती है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं में जब आधुनिक संचार व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है, तब एक विश्वसनीय बैकअप के रूप में काम आती है। एक ऐसा माध्यम जो हजारों वर्षों से मानव सभ्यता का अभिन्न अंग रहा है।'कैरियर पिजन' या 'होमिंग पिजन' का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है। मिस्र में लगभग 3000 ईसा पूर्व से ही कबूतरों को संदेशवाहक के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। फारस, यूनान और रोमन साम्राज्य में इनकी व्यापक उपयोगिता थी। यूनानियों ने ओलंपिक खेलों के परिणाम इन कबूतरों के जरिए शहर-दर-शहर पहुंचाए। चंगेज खान ने अपने विशाल साम्राज्य में 'पिजन नेटवर्क' स्थापित किया। मध्यकाल में यूरोप के युद्धों और मध्य पूर्व के व्यापारियों ने इनका सहारा लिया। भारत में भी यह परंपरा बहुत पुरानी है। चंद्रगुप्त मौर्य के काल में फारसी प्रभाव से 'पिजन पोस्ट' शुरू हुई थी। मुगल और ब्रिटिश काल में पुलिस और सेना दोनों ने इसका इस्तेमाल किया। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में 'कैरियर पिजनों' ने जान भी बचाई, फ्रांस में 'चेर आमी' नामक कबूतर ने 194 अमेरिकी सैनिकों की जान बचाई थी। भारत में भी ब्रिटिश काल से पुलिस स्टेशनों के बीच संचार के लिए 'पिजन सर्विस' चली आ रही थी। लेकिन आज की बात करें तो ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 'पिजन लॉफ्ट' सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे। हर लॉफ्ट पर एक इंस्पेक्टर, तीन सब-इंस्पेक्टर, एक सहायक सब-इंस्पेक्टर और 35 कांस्टेबल तैनात थे। यह सेवा न सिर्फ सामान्य संचार, बल्कि चुनावों और आपदाओं में भी काम आई। 1976-77 के चुनावों और 1982 के 'फ्लैश फ्लड्स' में जब सड़कें-ब्रिज बह गए और वायरलेस-टेलीफोन फेल हो गए, तब इन कबूतरों ने सरकारी संदेश पहुंचाए। सबसे रोचक घटना 13 अप्रैल 1948 की है। तब भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संबलपुर, ओडिशा में थे। उन्हें 265 किलोमीटर दूर कटक में तत्काल निर्देश भेजने थे, सुबह 6 बजे नेहरू का हस्तलिखित संदेश लेकर एक 'कैरियर पिजन' उड़ा। ठीक 11:20 पर, यानी महज 5 घंटे 20 मिनट में, वह कटक पहुंच गया। जब नेहरू खुद कटक पहुंचे तो अपना मूल संदेश और वही कबूतर देखकर दंग रह गए, वे हैरान और प्रसन्न थे। यह घटना ओडिशा पुलिस की 'पिजन सर्विस' की विश्वसनीयता का जीवंत प्रमाण है। 1954 में दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय डाक प्रदर्शनी में इन कबूतरों का प्रदर्शन किया गया। 1989 में तत्कालीन राष्ट्रपति आर। वेंकटरामन जब कटक आए तो इन कबूतरों को देखकर मुग्ध हो गए। 1999 के 'सुपर साइक्लोन' में जब तटीय इलाकों में संचार लाइनें पूरी तरह ठप हो गईं, तब इन कबूतरों ने लाज रखी।

तो क्या इस युद्ध को अमेरिकी साम्राज्यवाद के पतन की पटकथा मान लेनी चाहिए?

गौतम चौधरी

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से संयुक्त राज्य अमेरिका ने मध्य पूर्व की राजनीति, सुरक्षा व्यवस्था और ऊर्जा भू-राजनीति में केंद्रीय भूमिका निभाई है। तेल संसाधनों की सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और अपने प्रमुख सहयोगियों की रक्षा जैसे कारणों से अमेरिका लंबे समय तक इस क्षेत्र का सबसे प्रभावशाली बाहरी खिलाड़ी बना रहा लेकिन 21वीं सदी के तीसरे दशक में यह प्रश्न अधिक गंभीरता से उठने लगा है कि क्या मध्य पूर्व में अमेरिकी प्रभुत्व का युग समाप्त हो रहा है या केवल उसका स्वरूप बदल रहा है।

ऊपर जो प्रश्न उठाए गए हैं, उसका उत्तर सामान्य तरीके से देना कठिन है। जितनी जटिलता मध्य पूरव में दिखती है, उतना ही जटिल इसका उत्तर भी है। मसलन, मध्य पूर्व में अमेरिकी प्रभाव का निर्माण कई दशकों की रणनीतिक नीतियों का परिणाम है। अमेरिका ने क्षेत्र के कई देशों के साथ सुरक्षा समझौते किए और सैन्य ठिकाने स्थापित किए। विशेष रूप से इज़राइल के साथ उसकी घनिष्ठ रणनीतिक साझेदारी ने क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को प्रभावित किया। इसके अलावा सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य खाड़ी देशों के साथ ऊर्जा और रक्षा सहयोग ने भी अमेरिका की स्थिति को मजबूत बनाया। लंबे समय तक तेल आपूर्ति की सुरक्षा और समुद्री मार्गों की रक्षा अमेरिकी नीति के प्रमुख उद्देश्य रहे।

हाल के वर्षों में वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। अन्य बड़ी शक्तियाँ भी मध्य पूर्व में सक्रिय हो गई हैं। विशेष रूप से चीन और रूस ने इस क्षेत्र में अपने आर्थिक, कूटनीतिक और सुरक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके साथ ही शीत युद्ध के समय सोवियत रूस के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व में आया सैन्य संगठन नाटो के सदस्य देशों में भी अविश्वास पैदा हुआ है। यह अविश्वास अमेरिकी नेतृत्व के द्वारा एक पक्षीय निर्णय और दादागीरी से उत्पन्न हुआ है। हाल के वर्षों में अमेरिकी नेतृत्व ने उग्र राष्ट्रवाद का परिचय देते हुए कई ऐसे निर्णय लिए जिसके कारण उसके पश्चिमी सहयोगियों में भारी असंतोष उत्पन्न हुआ है। यहां तक कि अमेरिकी नेतृत्व अब सहयोगियों के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ भी निर्णय लेने लगा है।

इधार मध्य पूर्व के देशों में अमेरिकी दादागीरी को लेकर गोलबंदी प्रारंभ हो गयी थी। मध्य पूर्व के देश अब अमेरिकी सैन्य ठिकानों को अपनी-अपनी सीमा से बाहर करना चाहते हैं। यहां तक कि इजरायल को भी अब्राहिमिक गोलबंदी में अमेरिकी हस्तक्षेप एक रोड़ा ही लगता है। दूसरी ओर चीन ऊर्जा आयात और बुनियादी ढाँचे में निवेश के माध्यम से क्षेत्रीय देशों के साथ गहरे आर्थिक संबंध स्थापित कर रहा है। यही नहीं रूस ने सुरक्षा सहयोग और सामरिक साझेदारी के माध्यम से मध्य पूरव में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का प्रयास किया है। इन परिवर्तनों ने मध्य पूर्व को धीरे-धीरे एक बहुध्रुवीय प्रतिस्पर्धा का क्षेत्र बना दिया है।

मध्य पूर्व के कई देश अब केवल एक महाशक्ति पर निर्भर रहने के बजाय संतुलित और व्यावहारिक विदेश नीति अपनाने लगे हैं। वे अमेरिका के साथ पारंपरिक सुरक्षा सहयोग बनाए रखते हुए चीन और रूस के साथ भी आर्थिक और तकनीकी संबंध विकसित कर रहे हैं। साथ ही अमेरिकी सैन्य ठिकानों को अपने-अपने देश से हटाना चाहते हैं। यह रणनीति उन्हें वैश्विक शक्ति प्रतिस्पर्धा के बीच अधिक स्वतंत्रता और विकल्प प्रदान करती है। परिणामस्वरूप, क्षेत्रीय देश अब पहले की तुलना में अधिक आत्मविश्वास के साथ अपनी विदेश नीति तय कर रहे हैं।

वैसे एकदम से ऐसा कहना कि मध्य पूर्व में अमेरिकी प्रभाव कम हो जाएगा, फ्लिहाल जल्दबाजी होगी लेकिन उसके संकेत मिलने लगे हैं। मध्य पूर्व की वर्तमान स्थिति को समझने के लिए यह मानना अधिक उचित होगा कि यहाँ अमेरिकी प्रभाव समाप्त नहीं हो रहा, बल्कि उसका पुनर्संतुलन हो रहा है। अमेरिका अभी भी क्षेत्र की प्रमुख सैन्य और कूटनीतिक शक्तियों में से एक है लेकिन अब उसे अन्य वैश्विक शक्तियों के साथ प्रतिस्पर्धा करना पड़ेगा। ईरान युद्ध अमेरिकी प्रभाव को कम करेगा या बढ़ाएगा, इसका अंदाजा फ्लिहाल लगाना कठिन है लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं, वह अमेरिकी कूटनीति के लिए जटिल जरूर है। अमेरिका-इजरायल बनाम ईरान युद्ध में सबसे चौकाने वाला परिणाम यह है कि जहां एक ओर अमेरिका का धुर सहयोगी, युनाइटेड किंगडम, फ्रांस और स्पेन ने अमेरिकी आक्रमण का विरोध किया है, वहीं दूसरी ओर मध्य पूर्व के वे तमाम देश, जिन पर ईरान ने मिसाइल दागे, उन्होंने वापस ईरान पर हमला नहीं किया बल्कि कुवैत ने तो कुछ अमेरिकी विमान को मार गिराया है। इसे अमेरिकी कूटनीति की हार ही कहा जाना चाहिए।

मध्य पूर्व की भू-राजनीति आज पहले से अधिक जटिल और बहुध्रुवीय हो चुकी है। अमेरिकी प्रभुत्व पूरी तरह समाप्त होता हुआ नहीं दिखता लेकिन यह स्पष्ट है कि क्षेत्रीय देशों के पास अब पहले से अधिक विकल्प हैं और वे अधिक संतुलित कूटनीति अपनाने लगे हैं। भविष्य में मध्य पूर्व की स्थिरता इस बात पर निर्भर करेगी कि वैश्विक और क्षेत्रीय शक्तियाँ प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग के रास्ते को कितना मजबूत कर पाती हैं। यदि संतुलित कूटनीति और संवाद को प्राथमिकता दी जाती है तो यह क्षेत्र संघर्ष के बजाय सहयोग का नया मॉडल भी बन सकता है।

खामेनेई के भारत विरोधी बयानों पर नजर डालिये, क्या ऐसे व्यक्ति की मौत पर मातम मनाना जायज है?

नीरज कुमार दुबे

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में हुई मौत के बाद भारत के कुछ हिस्सों में जिस तरह शोक और विरोध का माहौल बनाया जा रहा है, उसने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह है कि भारत के आंतरिक मामलों में गैर-जरूरी टिप्पणियां करते रहे खामेनेई की मौत पर यहां हंगामा क्यों खड़ा किया जा रहा है? खासकर कश्मीर घाटी में हालात क्यों तनावपूर्ण बनाये जा रहे हैं? कश्मीर में जनजीवन लगातार छठे दिन प्रभावित है। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद यह पहली बार है जब घाटी में इतने बड़े पैमाने पर विरोध देखने को मिला है।

लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि भारत में आखिर किस बात का मातम मनाया जा रहा है? जिस खामेनेई को लेकर कुछ लोग यहां छाती पीट रहे हैं, वही खामेनेई पिछले एक दशक से बार बार भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करते रहे थे। 2017 में उन्होंने मुस्लिम देशों से कश्मीर के मुसलमानों का समर्थन करने की अपील की थी। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद भी उन्होंने भारत को कश्मीर पर तथाकथित न्यायपूर्ण नीति अपनाने की नसीहत दी थी, जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी और ईरानी दूत को तलब किया था।

यही नहीं, जनवरी 2020 में नागरिकता संशोधन कानून को लेकर ईरान की संसद के अध्यक्ष ने इसे मुस्लिम विरोधी बताया था, जिसे भारत ने अपने आंतरिक मामले में दखल करार दिया था। उसी साल दिल्ली दंगों के दौरान खामेनेई ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि भारत को चरमपंथी हिंदुओं का सामना करना चाहिए। उन्होंने दिल्ली दंगे के दौरान हिंसा को मुसलमानों का नरसंहार बताया था। उन्होंने यह तक कहा था कि भारत इस्लामी दुनिया से अलग थलग पड़ सकता है। यही नहीं, सितंबर 2024 में भी खामेनेई ने एक पोस्ट में भारत को म्यांमार और गाजा के साथ जोड़ते हुए टिप्पणी की थी, जिस पर भारत सरकार ने उसे गलत और अस्वीकार्य बताया था।

ऐसे व्यक्ति की मौत पर भारत में शोक मनाने वालों से सीधा सवाल है कि क्या उन्हें यह याद नहीं कि यही नेता भारत के खिलाफ लगातार बयान देता रहा था? खामेनेई की मौत पर भारत में मातम मना रहे लोगों को क्या ईरान में महिलाओं पर कठोर नियंत्रण और वहां के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हुई कठोर दमनात्मक कार्रवाइयां भी दिखाई नहीं देतीं? यहां सवाल यह भी उठता है कि कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी आखिर किस नैतिक अधिकार से मोदी सरकार की ईरान नीति पर सवाल उठा रही हैं? सोनिया गांधी को याद होना चाहिए कि साल 2005 से 2009 के बीच जब भारत अमेरिका के साथ नागरिक परमाणु समझौते पर बातचीत कर रहा था, तब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी में तीन बार ईरान के खिलाफ मतदान किया था। आज जब वही दल केंद्र सरकार की नीति पर सवाल उठा रहा है, तब क्या उसे अपने पुराने फैसलों का जवाब नहीं देना चाहिए?

देखा जाये तो भारत की आधिकारिक नीति फ्लिहाल संतुलित दिखाई देती है। नई दिल्ली ने पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता की अपील दोहराई है और कूटनीतिक समाधान पर जोर दिया है। लेकिन देश के भीतर जो भावनात्मक और राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आ रही है, उसने यह बहस तेज कर दी है कि आखिर भारत में खामेनेई के लिए किस कारण से मातम मनाया जा रहा है?

कैसा भूमंडलीकरण, कैसी विश्व व्यवस्था?

श्रुति व्यास

साफ दिखलाई दे रहा है कि भूमंडलीकरण इतिहास की अनिवार्य धारा नहीं है, बल्कि मानों एक ऐसी व्यवस्था जैसी है जो परिस्थितियों पर निर्भर है। और वह लगातार खतरे के नीचे खड़ी है। कोई भी समय कभी भी इस पूरी व्यवस्था को पटरी से नीचे उतार सकता है, जैसे इस समय भूमंडलाकरण के साथ वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था में भी नजर आ रहा है।

इजराइल-अमेरिका बनाम ईरान की लड़ाई ने फिर दुनिया को ठिठका दिया है। वजह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कनों में एक होर्मुज़ जलडमरूमध्य है। ईरान और खाड़ी देशों के बीच स्थित यह मार्ग दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से के तेल का रास्ता है। इसलिए जब यहाँ युद्ध या तनाव की आशंका पैदा होती है, तो असर केवल मध्य-पूर्व में ही सिमटा नहीं रहता। तेल बाज़ार से लेकर करेंसी बाज़ार, जहाज़रानी से लेकर बीमा उद्योग और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था हिलने लगती है। और ताजा लड़ाई ने विश्व राजधानियों में फिर यह सवाल पैदा किया है कि दुनिया को गाँव में बदलने वाले वैश्वीकरण की बुनियाद कितनी पुख्ता है?

तीन दशकों से यह विश्वास गहरा है कि वैश्वीकरण की प्रक्रिया का पलटना या थमना संभव नहीं है। उत्पादन और व्यापार की शृंखलाएँ महासागरों के पार फैल चुकी थीं। पूँजी की लगभग बिना रुकावट एक देश से दूसरे देश में आवाजाही है। एक महाद्वीप में बना सामान कुछ ही हफ्तों में दूसरे महाद्वीप की दुकानों तक पहुँच जाता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था अब इतनी परस्पर जुड़ चुकी है कि उसका ढहना लगभग असंभव है।

इस विश्वास को समय-समय पर झटके लगे हैं। युद्धों ने विश्व व्यापार को बाधित किया और महामारी ने वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था को अचानक रोक दिया। कोविड-19 के दौरान बंदरगाहों पर कंटेनर अटक गए, कारखाने बंद हुए और अंतरराष्ट्रीय व्यापार धीमा हुआ। लेकिन इसके बावजूद वैश्वीकरण रुका नहीं। वह कुछ समय के लिए ठहरा, फिर अपने को नए हालात के अनुरूप ढालकर आगे बढ़ गया। जैसे ही अर्थव्यवस्थाएँ खुलीं, व्यापार फिर तेज़ी से लौट आया। कंटेनर जहाज़ों ने फिर समुद्र पार करना शुरू किया, डिजिटल व्यापार और तेज़ हुआ। वैश्विक पूँजीवाद की व्यवस्था ने फिर अपना लचीलापन दिखाया।

लेकिन आज का संकट अलग प्रकृति का है। महामारी उत्पादन और आपूर्ति को बाधित करती है, जबकि युद्ध उन रास्तों को ही खतरे में डाल देता है जिनसे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था चलती है। ईरान से जुड़ा संकट इसी कारण दुनिया की चिंता है, क्योंकि यह वैश्विक व्यापार की उन धमनियों को छूता है जिन पर पूरी व्यवस्था टिकी है।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य सबसे संवेदनशील बिंदु है। दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से का तेल इसी मार्ग से गुजरता है। यदि यह मार्ग अस्थिर होता है, तो उसके असर बहुत दूर तक होंगे। तेल की कीमतें तुरंत उछलने लगती हैं। इसके बाद माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, बीमा प्रीमियम ऊपर जाते हैं। मुद्रा बाज़ारों में अस्थिरता छा जाती है। कुछ ही दिनों में यह कंपन वैश्विक अर्थव्यवस्था के कई हिस्सों में महसूस होने लगता है। यहीं वैश्वीकरण की असली भौगोलिक सच्चाई है। दुनिया भले ही सीमा-रहित दिखाई देती हो, लेकिन वैश्विक व्यापार वास्तव में कुछ ही संकरे रास्तों पर निर्भर है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य, स्वेज नहर और मलक्का जलडमरूमध्य ऐसे ही मार्ग हैं। जब इन रास्तों पर संकट आता है, तब वैश्वीकरण किसी अटूट व्यवस्था की तरह नहीं बल्कि भू-राजनीतिक स्थिरता पर निर्भर एक नाजुक ढाँचे की तरह खड़ा दिखता है।

ईरान संकट एक और गहरे बदलाव की ओर भी संकेत है। शीत युद्ध के बाद यह मान लिया गया था कि आर्थिक परस्पर निर्भरता भू-राजनीतिक संघर्षों को सीमित कर देगी। जो देश वैश्विक अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़े होंगे, वे ऐसे कदम नहीं उठाएँगे जो उनकी अपनी समृद्धि को नुकसान पहुँचाएँ।

लेकिन पिछले कुछ वर्षों की घटनाएँ इस विश्वास को कमजोर कर रही हैं। यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की ऊर्जा व्यवस्था को हिला दिया है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव तकनीकी आपूर्ति शृंखलाओं को विभाजित कर रहा है। मतलब अब ईरान से जुड़ा संकट एशिया की आर्थिक वृद्धि को ऊर्जा देने वाले तेल मार्गों को ही खतरे में डाल दे रहा है।

इसका मतलब यह नहीं कि वैश्वीकरण समाप्त हो रहा है। लेकिन उसका स्वरूप बदल रहा है। अब वह पहले की तुलना में अधिक रणनीतिक, अधिक सतर्क और शक्ति-राजनीति के दबावों के प्रति अधिक संवेदनशील हो गया है।

भारत के लिए इसके निहितार्थ तत्काल असर दिखा रहे हैं। भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग 85 प्रतिशत आवश्यकता आयात से पूरी करता है। इसलिए ऊर्जा सुरक्षा उसकी स्थायी रणनीतिक चिंताओं में से एक है। भारत के तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत होर्मुज़ जलडमरूमध्य से होकर आता है। इसलिए जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, तो उसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर बहुत जल्दी दिखाई देता है। तेल महँगा होता है, आयात बिल बढ़ता है, महँगाई का दबाव बनता है और रुपये पर असर पड़ता है। यह जोखिम केवल कीमत का नहीं, आपूर्ति का भी है। भारत के सामरिक पेट्रोलियम भंडार विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पदूर में स्थित हैं। इन भंडारों में लगभग 39 मिलियन बैरल कच्चा तेल रखा जा सकता है, जो किसी गंभीर संकट की स्थिति में लगभग पाँच से छह सप्ताह की खपत को पूरा कर सकता है। प्रतिदिन पाँच मिलियन बैरल से अधिक तेल खपत करने वाले देश के लिए यह सुरक्षा उपयोगी तो है, लेकिन सीमित भी है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस जोखिम को संतुलित करने की कोशिश की है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रियायती रूसी कच्चे तेल की खरीद तेज़ी से बढ़ा दी। रूस, जो पहले भारत के तेल आयात का बहुत छोटा स्रोत था, कुछ समय के लिए उसका सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया।

लेकिन ऊर्जा सुरक्षा अब केवल आर्थिक सवाल नहीं रही। वह सीधे भू-राजनीति से जुड़ चुकी है। नई दिल्ली को एक सावधानी भरे कूटनीतिक संतुलन के साथ आगे बढ़ना पड़ रहा है।

2025 में अमेरिकी प्रशासन ने भारतीय निर्यात पर भारी शुल्क लगाए और इसका भी असर हुआ। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले 25 प्रतिशत शुल्क लगाया, फिर अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क भी, जो भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद जारी रखने से जुड़ा था। इससे कुछ भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क लगभग 50 प्रतिशत तक था। संकेत साफ था कि ऊर्जा के फैसले अब भू-राजनीतिक हिसाब-किताब से अलग नहीं रहे।

बहरहाल वह संकट अभी हाशिए में है। लेकिन इस पूरे प्रकरण का एक स्पष्ट सबक है। भारत की आयातों पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम भरी है। पेट्रोलियम पदार्थ और ऊर्जा से जुड़े फैसले अब केवल कारोबारी नहीं हैं बल्कि वे भू-राजनीतिक बिसात का हिस्सा हैं। ईरान संकट ने भारत की इस दुविधा को और जटिल बना दिया है। यदि खाड़ी क्षेत्र से तेल की आपूर्ति बाधित होती है, तो रूस से तेल खरीदना फिर एक आर्थिक अनिवार्यता होगी। लेकिन तब अमेरिका के साथ नए तनाव भी पैदा हो सकते हैं। यही मौजूदा वैश्वीकरण का विरोधाभास है। आर्थिक परस्पर निर्भरता स्थिर समय में अमीरी लाती है, लेकिन वही व्यवस्था दूर के युद्धों का भी असर हर देश की अर्थव्यवस्था में चिंता पैदा कर देती है।

हालांकि वैश्वीकरण एक युद्ध से समाप्त नहीं होगा। लेकिन आज वह पहले की तुलना में अधिक नाजुक निश्चित ही दिखाई दे रहा है। क्योंकि यह केवल व्यापार मार्गों का जाल नहीं था। यह बड़ी शक्तियों के बीच एक वैश्विक गाँव के भीतर राजनीतिक अनुशासन पर भी टिका है।

और अनुशासन जब कमजोर पड़ने लगता है, तो व्यवस्था तुरंत नहीं टूटती, लेकिन उसका असुरक्षित होना स्पष्ट दिखाई देने लगता है। ऐसे क्षणों में भूमंडलीकरण इतिहास की अनिवार्य धारा नहीं लगता, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था जैसा दिखाई देता है जो परिस्थितियों पर निर्भर है—और लगातार खतरे के नीचे खड़ी है। समय कभी भी पूरी व्यवस्था को पटरी से नीचे उतार देता है, जैसा वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था में भी इस समय दिखलाई दे रहा है।

इन तीनों गुणों के होने से मनुष्य को कहते हैं चेतन

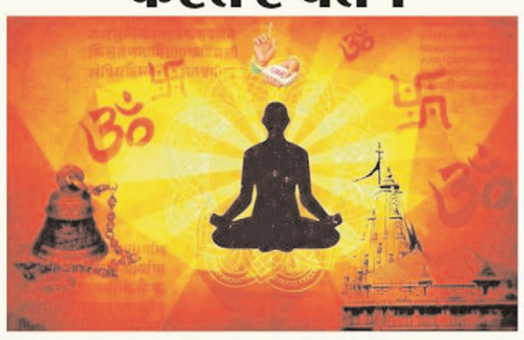

किसी भी वस्तु की चेतनता की पहचान इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति के होने से होती है। अगर किसी वस्तु में ये तीनों नहीं होते हैं, तो उसे जड़ वस्तु कहते हैं और इन तीनों के होने से उसे चेतन वस्तु कहते हैं। मनुष्य में इन तीनों गुणओं के होने से उसे चेतन कहते हैं। मनुष्य के मृत शरीर में इनके न होने से उसे अचेतन अथवा जड़ कहते हैं।

प्रश्न यह उठता है कि जो मनुष्य अभी-अभी इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति कर रहा था और चेतन कहला रहा था, वही मनुष्य इनके न रहने से मृत क्यों घोषित कर दिया गया जबकि वह सशरीर हमारे सामने पड़ा हुआ है? आमतौर पर एक डॉक्टर बोलेगा कि इस शरीर में प्राण नहीं हैं। शास्त्रीय भाषा में, जब तक मानव शरीर में आत्मा रहती है, उसमें चेतनता रहती है। उसमें इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहती है। आत्मा के चले जाने से वही मानव शरीर इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहित हो जाता है, जिसे आमतौर पर मृत कहा जाता है।

शास्त्रों के अनुसार स्वरूप से आत्मा सच्चिदानन्दमय होती है। सच्चिदानन्द अर्थात सत्+चित्+आनंद। संस्कृत में सत् का अर्थ होता है नित्य जीवन अर्थात् वह जीवन जिसमें मृत्यु नहीं है, चित् का अर्थ होता है ज्ञान जिसमें कुछ भी अज्ञान नहीं है और आनंद का अर्थ होता है नित्य सुख जिसमें दु:ख का आभास मात्र नहीं है। यही कारण है कि कोई मनुष्य मरना नहीं चाहता, कोई मूर्ख नहीं कहलवाना चाहता और कोई भी किसी भी प्रकार का दु:ख नहीं चाहता।

अब नित्य जीवन, नित्य आनंद, नित्य ज्ञान कहां से मिलेगा? जैसे सोना पाने के लिए सुनार के पास जाना पड़ता है, लोहा पाने के लिए लोहार के पास, इसी प्रकार नित्य जीवन-ज्ञान-आनंद पाने के लिए भगवान के पास जाना पड़ेगा क्योंकि एकमात्र वही हैं जिनके पास ये तीनों वस्तुएं असीम मात्रा में हैं। प्रश्न हो सकता है कि बताओ भगवान मिलेंगे कहां? ये भी एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। कोई कहता है भगवान कण-कण में हैं, कोई कहता है कि भगवान मंदिर में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो हृदय में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो पर्वत की गुफा में, नदी में, प्रकृति में वगैरह।

वैसे जिस व्यक्ति के बारे में पता करना हो कि वह कहां रहता है, अगर वह स्वयं ही अपना पता बताए तो उससे बेहतर उत्तर कोई नहीं हो सकता। उक्त प्रश्न के उत्तर में भगवान कहते हैं कि मैं वहीं रहता हूं, जहां मेरा शुद्ध भक्त होता है। चूंकि हम सब के मूल में जो तीन इच्छाएं- नित्य जीवन, नित्य ज्ञान व नित्य आनंद हैं, वे केवल भगवान ही पूरी कर सकते हैं, कोई और नहीं। इसलिए हमें उन तक पहुंचने की चेष्टा तो करनी ही चाहिए।

भगवान स्वयं बता रहे हैं कि वह अपने शुद्ध भक्त के पास रहते हैं। अत: हमें ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और तुरंत ऐसे भक्त की खोज करनी चाहिए जिसके पास जाने से, जिसकी बात मानने से हमें भगवदप्राप्ति का मार्ग मिल जाए। साथ ही हमें यह सावधानी भी बरतनी चाहिए कि कहीं वह भगवद्-भक्त के वेश में ढोंगी न हो। स्कंद पुराण के अनुसार भगवान शिव माता पार्वती से कहते हैं कि कलियुग में ऐसे गुरु बहुत मिलेंगे जो शिष्य का सब कुछ हर लेते हैं, परंतु शिष्य का संताप हर कर उसे सद्मार्ग पर ले आए ऐसा गुरु विरला ही मिलेगा।

किस जगह रखें कामधेनु की मूर्ति?

हमारे जीवन में वास्तु शास्त्र का महत्व काफी ज्यादा बताया गया है। कहा जाता है अगर किसी भी कार्य को करने से पहले या फिर करने के दौरान वास्तु शास्त्र में बताये गए नियमों का पालन किया जाता है तो इसके परिणाम काफी शुभ और सकारात्मक होते हैं. वहीं, जब इन नियमों को नजरअंदाज किया जाता है तो इसके परिणाम भी उतने ही बुरे हो सकते हैं। सनातन धर्म के अनुसार कामधेनु गाय में देवी-देवताओं का निवास होता है। इसे घर पर रखने से इंसान की हर मनोकामना पूरी होती है। वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो जब आप इसे रखते हैं तो इससे सुख समृद्धि का वास आपके घर पर होता है.

वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो आपको कामधेनु गाय की मूर्ति को अपने घर के ईशान कोण में रखना चाहिए। इसे सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है। आप अगर चाहें तो कामधेनु गाय की मूर्ति को घर के पूजास्थल या फिर मुख्य द्वार पर रख सकते हैं। अगर आप मूर्ति नहीं रख पा रहे हैं तो ऐसे में तस्वीर लगाना भी काफी शुभ माना जाता है.

अगर आप अपने घर पर कामधेनु गाय की मूर्ति स्थापित करने जा रहे हैं तो इस बात का ख्याल रखें कि वह सोना, चांदी, पीतल, तांबे या फिर मार्बल की बनी हुई हो। आप अगर चाहें तो चीनी मिटटी से बनी मूर्ति भी अपने घर पर रख सकते हैं। अगर आप अपने घर में सही जगह पर कामधेनु गाय की मूर्ति स्थापित करते हैं तो इससे आपको वास्तु दोषों से छुटकारा मिल सकता है। केवल यहीं नहीं, जब आप इसे अपने घर पर रखना शुरू कर देते हैं तो आपकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर हो जाती है।

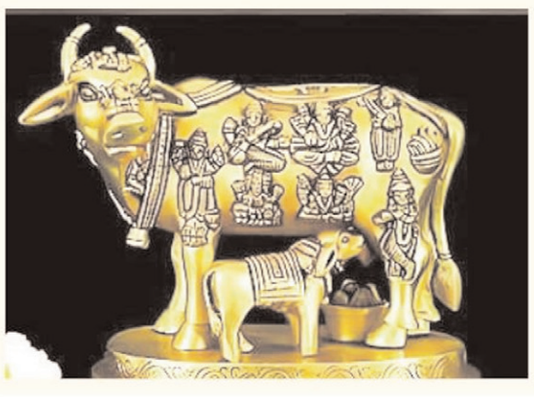

एकादशी व्रत का धार्मिक महत्व

चावल का सेवन न करने के कारण

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को अत्यंत पवित्र और फलदायी माना गया है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है। प्रत्येक माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी को श्रद्धालु व्रत रखकर श्रीहरि की पूजा-अर्चना करते हैं। मान्यता है कि विधिपूर्वक एकादशी व्रत करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। हालांकि, एकादशी व्रत के कई कठोर नियम होते हैं। इन्हीं में से एक

महत्वपूर्ण नियम है एकादशी के दिन चावल का सेवन न करना।

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को प्रसन्न करने का सबसे प्रभावशाली उपाय माना गया है। यह व्रत आत्मशुद्धि, मन की एकाग्रता और आध्यात्मिक उन्नति के लिए किया जाता है। पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार, एक बार माता शक्ति के क्रोध से बचने के लिए महर्षि मेधा ने अपना शरीर त्याग दिया। उनके शरीर के अंश धरती में समाहित हो गए। जिन स्थानों पर उनके शरीर के अंश गिरे, वहां से जौ और चावल उत्पन्न हुए। चूंकि ये अनाज महर्षि के शरीर से उत्पन्न माने गए, इसलिए इन्हें 'जीव' के समान समझा गया। मान्यता है कि एकादशी के दिन ये अन्न सजीव अवस्था में होते हैं। इस कारण इस दिन चावल का सेवन करना महर्षि मेधा के शरीर के अंश का सेवन करने के समान माना गया है।

धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख

पद्म पुराण और विष्णु पुराण में वर्णन मिलता है कि जो व्यक्ति एकादशी के दिन चावल का सेवन करता है, उसके संचित पुण्य फलों का नाश हो सकता है। इसी कारण श्रद्धालुओं को इस दिन चावल से परहेज करने की सलाह दी जाती है।

एकादशी व्रत में क्या खाएं?

एकादशी के दिन सामान्य अन्न का सेवन नहीं किया जाता। व्रती लोग फलाहार, दूध, मखाना, साबूदाना, सिंघाड़े का आटा, कुट्टू का आटा आदि का सेवन करते हैं। कुछ लोग निर्जला व्रत भी रखते हैं। एकादशी व्रत केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का भी प्रतीक है। चावल का त्याग इसी परंपरा और पौराणिक मान्यता से जुड़ा हुआ है। श्रद्धालु नियमपूर्वक व्रत का पालन कर भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करते हैं।

भीगे पैर सोना धर्म ग्रंथों में शुभ नहीं माना गया

इन्सान के स्वास्थ्य का शयन कक्ष से सीधा संबंध है। हमारे धर्म ग्रंथों में सोने के कुछ नियम बताए गए हैं। इनका पालन करने से शरीर में कोई रोग नहीं होता, साथ ही घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। मनुस्मृति में लिखा गया है कि सूने घर में अकेले नहीं सोना चाहिए। जहां बिल्कुल अंधेरा हो, वहां सोने से भी बचना चाहिए। साथ ही मंदिर और श्मशान में कभी नहीं सोना चाहिए। अच्छी सेहत के लिए सुबह जल्दी उठाना जरूरी है। कुछ लोगों की आदत होती है कि सोने से पहले पैर धोते हैं। यह अच्छा है, लेकिन भीगे पैर सोना धर्म ग्रंथों में शुभ नहीं माना गया है। बताते हैं कि सूखे पैर होने से घर में लक्ष्मी आती है।

पलंग या खाट टूटा हो तो उस पर न सोएं। खाने के तुरंत बाद बिस्तर पर न जाएं। झूठे मुंह सोना अशुभ है। आप किस दिशा में सोते हैं, यह भी बहुत अहम है। पूर्व की तरफ सिर करके सोने से विद्या, पश्चिम की ओर सिर करके सोने से प्रबल चिन्ता, उत्तर की ओर सिर करके सोने से हानि व मृत्यु, तथा दक्षिण की तरफ सिर करके सोने से धन व आयु की प्राप्ति होती है।

कई लोगों को दिन में सोने की आदत होती है। इसे तुरंत छोड़ दें। दिन में तथा सुर्योदय एवं सुर्यास्त के समय सोने वाला रोगी और दरिद्र हो जाता है।

बायीं करवट सोना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। दक्षिण दिशा में पांव रखकर कभी नहीं सोना चाहिए। इस तरफ यम और दुष्टदेवों का निवास रहता है। इसका वैज्ञानिक कारण यह भी है कि मस्तिष्क में रक्त का संचार कम हो जाता है।

सोते समय हृदय पर हाथ रखकर नहीं सोना चाहिए। पैर पर पैर रखकर भी नहीं सोना चाहिए। माथे पर तिलक लगा है तो सोने से पहले उसे साफ कर लें। तिलक लगाकर सोना अच्छा नहीं माना जाता।

गणेश जी और मां काली को अत्यन्त प्रिय है लाल रंग का गुड़हल

वास्तु शास्त्र और ज्योतिष में फूलों को पॉजिटिव एनर्जी आकर्षित करने वाला बताया गया है। आप भी अपने घर में खुशहाली के लिए कुछ चुनिंदा फूलों के पौधे लगाएं।

पूजा के लिए अधिकतर गेंदा का इस्तेमाल किया जाता है। वास्तु शास्त्र में इस पुष्प को शुभ माना जाता है, यही कारण है कि इससे घरों व मंदिरों की सजावट की जाती है। भगवान को चढ़ाया जाता है। आप भी इसे अपने घर में उत्तर-पूर्व दिशा में लगा सकते हैं। लाल रंग का गुड़हल गणेश जी और मां काली को अत्यन्त प्रिय है। कहा जाता है कि जहां कहीं भी यह पुष्प होता है, वहां पर समस्त प्रकार की नैगेटिव एनर्जी नष्ट हो जाती है। इसे घर में लगाने से पॉजिटिव एनर्जी का फ्लो बना रहता है।

चंपा के फूल हल्के पीले और सफेद रंग के आते हैं। इनमें बहुत हल्की लेकिन मधुर सुगंध होती है। यह भी भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा में इस्तेमाल किया जाता है। मोगरा के पुष्प में अत्यधिक तेज सुगंध होती है जो किसी का भी मन मोह लेती है। इस पुष्प के पौधे को घर में लगाने से लक्ष्मी का वास होता है। अत: इस पौधे को भी घर में लगाना चाहिए ताकि घर में सुख और समृद्धि आ सके। तुलसी का पौधा घर के मुख्यद्वार पर लगाने से घर में कोई भी ऊपरी बाधा प्रवेश नहीं कर सकती।

सुबह उठते ही शिवलिंग या शिव मूर्ति का दर्शन करें

सुबह उठते ही कुछ खास चीजें देखने या ध्यान में रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और शुभ लाभ मिलता है। यह चीजें वास्तु शास्त्र और भारतीय परंपराओं से जुड़ी होती हैं, जो दिन की शुरुआत को शुभ और ऊर्जा से भरपूर बना सकती हैं। इन सरल और कम खर्चीले उपायों को अपनाकर आप अपने घर में खुशहाली का वातावरण बना सकते हैं। ये चीजें न केवल घर में शुभ प्रभाव डालती हैं, बल्कि आपके पूरे दिन को मंगलमय और उन्नति की ओर मार्गदर्शित करती हैं।

वास्तु: सुबह उठते ही यदि आप भगवान शिव के शिवलिंग या मूर्ति का दर्शन करते हैं, तो इससे घर में शांति और समृद्धि का वास होता है। यह विशेष रूप से धन और मानसिक शांति लाने में मदद करता है। शिव के दर्शन से नकारात्मकता दूर होती है और हर तरह की परेशानियों से मुक्ति मिलती है।

अन्य लाभ: विशेष रूप से महाशिवरात्रि के दिन इस उपाय का महत्व बढ़ जाता है। घर में आकर यह ऊर्जा घर के प्रत्येक सदस्य को लाभ पहुंचाती है।

दीपक की लौ या तेल का दीपक देखना - वास्तु: सुबह उठते ही अगर आप घर में जलते दीपक या तेल के दीपक की लौ देखते हैं, तो यह एक शुभ संकेत माना जाता है। दीपक की लौ सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होती है। इसे देखने से मन शांत रहता है और दिन की शुरुआत शुभ होती है।

अन्य लाभ : यह विशेष रूप से घर में दरिद्रता को दूर करने और आर्थि?क लाभ लाने में मदद करता है।

प्यारे और शांतिपूर्ण चित्र या तस्वीरें

वास्तु : घर में सुंदर, शांतिपूर्ण और सकारात्मक चित्रों को देखना शुभ माना जाता है जैसे लक्ष्मी जी की तस्वीर, कुबेर की मूर्ति, समुद्र का दृश्य, प्रकृति से जुड़े चित्र आदि। ये सभी चित्र घर में समृद्धि और शांति का प्रतीक होते हैं।

अन्य लाभ: विशेष रूप से आप यदि इन चित्रों को सुबह उठते ही देखें, तो दिन भर की स्थिति सकारात्मक रहेगी और आपकी मेहनत में सफलता मिलेगी।

तुलसी के पौधे को देखना

वास्तु: घर में तुलसी का पौधा रखना और उसे सुबह जल देना एक बहुत शुभ उपाय है। तुलसी के पौधे को देखने से घर में धन, सुख और समृद्धि का वास होता है। यह पौधा विशेष रूप से मानसिक शांति और आस्था का प्रतीक माना जाता है।

अन्य लाभ: तुलसी की पूजा से घर में नकारात्मकता कम होती है और स्वास्थ सबंधी लाभ भी मिलते हैं।

चांदी या सोने की वस्तु का दर्शन

वास्तु: यदि आप सुबह उठते ही चांदी या सोने की कोई छोटी सी वस्तु देखते हैं जैसे चांदी की छड़ी, सिक्के या कोई आभूषण तो यह दिन भर के लिए धन और समृद्धि के संकेत होते हैं। यह खासतौर पर व्यापारियों के लिए बहुत शुभ होता है।

अन्य लाभ: इस प्रकार की वस्तुओं को देखना आर्थि?क समृद्धि की ओर इशारा करता है और सकारात्मक विचारों का प्रवाह करता है।

घर के पूर्व दिशा में सूर्योदय देखना

वास्तु: सूर्योदय का दृश्य सबसे शुभ माना जाता है, विशेष रूप से यदि यह पूर्व दिशा से दिखाई देता हो। सूर्योदय को देखने से जीवन में नयापन और ऊर्जा का संचार होता है।

खबर-खास

होली पर भी नहीं मिला वेतन : एनएचएम कर्मचारियों में नाराजगी, सीएम-स्वास्थ्य मंत्री से लगाएंगे गुहार

राजनांदगांव (समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारियों को इस बार होली जैसे बड़े त्योहार पर भी वेतन नहीं मिल पाया। पिछले दो माह से वेतन लंबित रहने के कारण कर्मचारियों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। एनएचएम कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमित मिरी ने बताया कि होली जैसे बड़े पर्व पर भी वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों के चेहरों पर खुशी के बजाय चिंता दिखाई दे रही है। महंगाई के इस दौर में बिना वेतन के परिवार का भरण-पोषण करना बेहद कठिन हो गया है।

उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को वृद्ध माता-पिता की दवाइयों का खर्च, घर का किराया, बच्चों की पढ़ाई और स्कूल फीस जैसी जरूरी जिम्मेदारियां निभाने में परेशानी हो रही है। ऐसे में त्योहार के लिए जरूरी सामान खरीद पाना भी संभव नहीं हो सका, जिसके कारण इस बार कर्मचारियों की होली फीकी रही।

संघ के प्रदेश प्रवक्ता पुरन दास ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि पूरे वर्ष प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करने वाले कर्मचारियों को ही त्योहार के समय वेतन के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने शासन और विभागीय अधिकारियों से कर्मचारियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द वेतन जारी करने की मांग की।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य सचिव और अन्य अधिकारियों द्वारा पहले दिए गए आश्वासनों के बावजूद वेतन जारी करने में देरी क्यों हो रही है। साथ ही एनएचएम कर्मचारियों की छह लंबित मांगों को भी शीघ्र पूरा करने की बात कही। संघ ने शासन-प्रशासन से कर्मचारियों का लंबित वेतन तत्काल जारी करने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि होली तो बिना वेतन के बेरंग गुजर गई, अब कम से कम परिवार के भरण-पोषण के लिए समय पर वेतन उपलब्ध कराया जाए।

भाजपा की विष्णु देव सरकार ने महिलाओं के साथ छल किया है- नागेंद्र गुप्ता

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की विष्णु देव सांय सरकार ने महतारी वंदन योजना के नाम पर छत्तीसगढ़ के महिलाओं को ठगा है यह बातें जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री नागेंद्र गुप्ता ने कहीं उन्होंने आगे कहा कि 8 मार्च विश्व महिला दिवस को सरकार से उम्मीद थी कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए जाने की घोषणा करेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ 2 वर्ष पूर्व चुनाव जीतने के लिए महिलाओं को प्रलोभन दिया गया था और उनसे आवेदन आमंत्रित किया था पात्र और अपात्र के नाम पर हजारों महिलाओं का नाम योजना में शामिल नहीं किया गया 2 वर्ष तक लगातार महतारी योजना के अंतर्गत आवेदन स्वीकार नहीं किया जा रहा है जबकि इन दो वर्षों में छत्तीसगढ़ की युवतियां हजारों की संख्या में विवाहित होकर महतारी वंदन योजना की पात्र हो गई है लेकिन सरकार इवेंट मैनेजमेंट कर अपना चेहरा चमका रही है अगर भाजपा की विष्णु देव सरकार सही मायने में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना चाहती है तो तत्काल महतारी वंदन योजना के आवेदन आमंत्रित करें साथ ही बढ़ती महंगाई को देखते हुए 1000 की राशि को बढ़ाकर 2000 करें और निशक्त महिलाओं के लिए विशेष आर्थिक पैकेज की व्यवस्था करें।

जिला एवं सत्र न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी से कोर्ट परिसर में मचा हड़कंप

बालोद (समय दर्शन)। जिला एवं सत्र न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से सोमवार को कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। धमकी भरा ई-मेल जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आधिकारिक ई-मेल पर भेजा गया था जिसके बाद तत्काल सुबह 10.30 बजे सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया गया और एहतियातन कोर्ट परिसर खाली कराया गया वहीं तहसील कार्यालय को भी एहतियात के तौर पर बंद कर दिया गया था । जानकारी के अनुसार यह धमकी भरा ई-मेल 9 मार्च को प्राप्त हुआ जिसमें जिला न्यायालय परिसर और जज चेंबर को बम से उड़ाने की बात कही गई थी। ई-मेल मिलने के बाद न्यायालय प्रशासन ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को दी जिसके बाद पूरे न्यायालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।। सुरक्षा के लिहाज से कोर्ट परिसर में मौजूद सभी मजिस्ट्रेटों को पुलिस सुरक्षा में सर्किट हाउस ले जाया गया वहीं न्यायालय में मौजूद अधिवक्ताओं और अन्य लोगों को भी तत्काल परिसर से बाहर निकाल दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही बालोद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और पूरे परिसर को सुरक्षा घेरे में ले लिया। दोपहर 1 बजे तक बम स्क्वॉड, एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड की मदद से न्यायालय परिसर की गहन जांच की गई। प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार का विस्फोटक या संदिग्ध सामग्री नहीं मिलने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार फिलहाल किसी प्रकार का वास्तविक खतरा सामने नहीं आया है लेकिन एहतियात के तौर पर पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर ने पूरे घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए बताया कि धमकी भरे ई-मेल की तकनीकी जांच की जा रही है और ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में जिला एवं सत्र न्यायालय बालोद की ओर से जिला अधिवक्ता संघ को भी आधिकारिक पत्र जारी कर घटना की जानकारी दी गई है।

स्वयं सहायता समूह से जुड़कर भूनेश्वरी चतुर्वेदी बनीं आत्मनिर्भर, आज बढ़ा रहीं परिवार की आय

लखपति दीदी की कहानी - दीदी की जुबानी

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिला बेमेतरा के जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत ग्राम साकरा की रहने वाली भूनेश्वरी चतुर्वेदी आज लखपति दीदी के रूप में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं। महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन की दिशा में स्वयं सहायता समूहों की पहल ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। भूनेश्वरी चतुर्वेदी महिला विकास स्वयं सहायता समूह, ग्राम साकरा से जुड़ी हुई हैं और आज अपने परिश्रम और संकल्प के बल पर आत्मनिर्भर बनकर अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही हैं।

भूनेश्वरी चतुर्वेदी बताती हैं कि समूह से जुड़ने से पहले उनकी आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी। परिवार के भरण-पोषण के लिए वे कृषि कार्य और मजदूरी पर निर्भर रहती थीं। इसके साथ ही उन्होंने गांव में एक छोटा सा फैंसी स्टोर भी शुरू किया था, लेकिन सीमित संसाधनों और पूंजी की कमी के कारण व्यवसाय को आगे बढ़ाना आसान नहीं था। इससे होने वाली आय से परिवार का गुजारा तो हो जाता था, लेकिन आर्थिक प्रगति की संभावनाएँ सीमित थीं।

उन्होंने 31 सितंबर 2020 को महिला विकास स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपने जीवन में एक नई शुरुआत की। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें समूह के माध्यम से सीआईएफ (कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड) और बैंक ऋण की सुविधा मिली। इस आर्थिक सहयोग ने उनके सपनों को नया आधार दिया। उन्होंने समूह से प्राप्त ऋण की राशि से अपने फैंसी स्टोर की दुकान का विस्तार किया और दुकान में फोटो कॉपी मशीन, साड़ियों का व्यवसाय तथा सिलाई मशीन की व्यवस्था की। इसके साथ ही उन्होंने सिलाई का कार्य भी प्रारंभ किया, जिससे उनकी आय के नए स्रोत बन गए। आज उनकी दुकान गांव में एक छोटे स्वरोजगार केंद्र के रूप में विकसित हो चुकी है। गांव के लोग यहां फोटो कॉपी, साड़ी खरीदने और सिलाई से जुड़े कार्यों के लिए आते हैं। इन गतिविधियों से उन्हें हर महीने अच्छी आमदनी होने लगी है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है। वे न केवल अपने परिवार की जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा कर पा रही हैं, बल्कि बच्चों की शिक्षा और घर के अन्य खर्चों को भी सहजता से संभाल रही हैं।

भूनेश्वरी चतुर्वेदी बताती हैं कि स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक सहयोग के साथ-साथ आत्मविश्वास, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन भी मिला। समूह की बैठकों और गतिविधियों ने उन्हें व्यवसाय प्रबंधन, बचत और आय बढ़ाने के तरीके सिखाए। आज वे आत्मनिर्भर बनकर गांव की अन्य महिलाओं को भी समूह से जुड़कर स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

तालाब एवं नाला पुल निर्माण 40 लाख रूपये राशि स्वीकृति

जजांजगीर चांपा (समय दर्शन)। विधानसभा क्षेत्र के विधायक ब्यास कश्यप के प्रयासों से क्षेत्र के विभिन्न गांवों के तालाबों एवं नाला में तट बंध, पिचिंग एवं पुल निर्माण के लिए 40 लाख रूपए राशि की स्वीकृति मिली है। यह स्वीकृति राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा अधोसरंचना विकास एवं पर्यावरण उपकर निधि के अंतर्गत प्रदान की गई है। विधानसभा जांजगीर-चांपा क्षेत्र के ग्राम पंचायत पेंड्री (नवागढ़) में पेंड्री नाला पुलिया के पास तटबंध एवं पचरी निर्माण कार्य के लिए 10.00 लाख रूपए, ग्राम खैरताल के लंकेटर तालाब में पिचिंग एवं पचरी निर्माण कार्य के लिए 10.00 लाख रुपए तथा ग्राम हाथीटिकरा के कांजी नाला में पुल निर्माण के लिए 20.00 लाख रुपए राशि स्वीकृत की गई है।

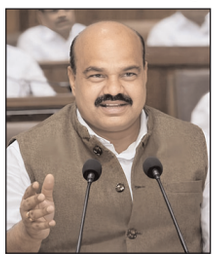

ज्ञात हो कि उपरोक्त कार्यों की मांग लंबे समय से स्थानीय जन प्रतिनिधियों एवं आमजनों के द्वारा की जा रही थी। विधायक ब्यास कश्यप द्वारा इस विषय को गंभीरता से उठाते हुए संबंधित विभाग से लगातार पत्राचार और पहल की गई, जिसके परिणामस्वरूप इन कार्यों के लिए स्वीकृति जारी कर दी गई है।

विधायक ब्यास कश्यप ने कहा कि इसके पूर्व में भी इसी योजना से जांजगीर चांपा विधान सभा के अन्य ग्रामों में 57 लाख रुपए के विकास कार्य स्वीकृत हो चुके हैं। इससे क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि स्वीकृत कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराया जाएगा तथा गुणवत्ता से कोई समझौता नही होगा। ग्रामीणों ने इस स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विधायक के प्रति आभार प्रकट किया है और शीघ्र कार्यारंभ की अपेक्षा जताई है।

महिला कमांडो को मिली लाठी, टॉर्च व टोपी, सड़क सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

महापौर अलका बाघमार की अध्यक्षता में कार्यक्रम, मुख्य अतिथि भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सरोज पांडे रहीं शामिल

दुर्ग (समय दर्शन)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राजेन्द्र पार्क के समीप एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी रही और कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। महिला दिवस का आयोजन नगर पालिक निगम महापौर अलका बाघमार द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सरोज पांडेय रही शामिल,महापौर अलका बाघमार की अध्यक्षता में कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्याम शर्मा, महिला एवं बाल विकास प्रभारी शशि साहू, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, लीना देवांगन, काशीराम कोसरे, नीलेश अग्रवाल, एडिशनल एसपी, पूर्व महापौर चंद्रिका चंद्रकार, माया बेलचंदन, मानशी गुलाटी सहित जनप्रतिनिधि व कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा,अधिकारी सहायक अभियंता गिरीश दिवान व अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सरोज पांडेय एवं महापौर अलका बाघमार द्वारा ट्रैफिक महिला पुलिस, महिला कमांडो, महिला पुलिसकर्मियों और महिला वाहन चालकों का सम्मान किया गया। साथ ही कार्यक्रम के दौरान 500 से अधिक ट्रैफिक पुलिस, महिला पुलिसकर्मियों, निगम महिला कर्मचारियों और महिला वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए, ताकि उन्हें सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा सके।

इसके साथ ही महिला कमांडो को उनके कर्तव्यों के बेहतर निर्वहन के लिए लाठी, टॉर्च, टोपी सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा सामग्री का भी वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य महिला सुरक्षा बलों के मनोबल को बढ़ाना और उन्हें आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर डॉ. सरोज पांडेय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि महिलाओं के अधिकार, सम्मान और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का अवसर है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित वाहन चलाने के लिए प्रेरित करना बेहद जरूरी है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा आज के समय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। कई बार हेलमेट न पहनने के कारण गंभीर सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान चली जाती है। ऐसे में महिलाओं को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करना और उन्हें सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना आवश्यक है।

''ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन''

जांजगीर (समय दर्शन)। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर में संस्था संचालक श्री आलोक अग्रवाल, डॉ. गिरिराज गढ़ेवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी के निर्देशन में दिनांक-08 मार्च 2026 को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' बड़े उत्साह, सम्मान और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के पुरुष स्टाफद्वारा विद्यालय की सभी महिला शिक्षिकाओं एवं महिला कर्मचारियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं के योगदान, उनकी शक्ति, समर्पण और नेतृत्व क्षमता को सम्मान देना तथा उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करना था। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिसर में आयोजित एक गरिमामय समारोह से हुई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य, प्रबंधन समिति के सदस्य, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के पुरुष शिक्षकों और कर्मचारियों ने महिला शिक्षिकाओं को ''प्रशस्ति प्रमाण पत्र'' एवं ''स्मृति चिन्ह स्वरूप फोटो फ्रेम'' भेंट कर उनका सम्मान किया। इस सम्मान के माध्यम से विद्यालय परिवार ने यह संदेश दिया कि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक है। कार्यक्रम में संस्था संचालक श्री आलोक अग्रवाल जी ने कहा कि आज के दौर में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही हैं। शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, खेल, कला और सामाजिक सेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विद्यालय में कार्यरत महिला शिक्षिकाएं भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनका समर्पण, अनुशासन और परिश्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरणास्रोत है। साथ ही साथ संचालक डॉ. गिरिराज गढ़ेवाल जी ने सभी महिला शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज की प्रगति और विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जब महिलाओं को सम्मान, अवसर और सहयोग मिलता है तो पूरा समाज और राष्ट्र मजबूत बनता है। उन्होंने विद्यालय परिवार में कार्यरत सभी महिलाओं की सराहना करते हुए उनके योगदान को अत्यंत सराहनीय बताया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में एक सौहार्दपूर्ण और पारिवारिक वातावरण देखने को मिला। पुरुष स्टाफद्वारा महिला शिक्षिकाओं का सम्मान करना सभी के लिए एक प्रेरणादायक पहल रही। इस पहल ने विद्यालय में आपसी सहयोग, सम्मान और सकारात्मक वातावरण को और मजबूत किया। महिला दिवस के इस विशेष अवसर को और भी यादगार बनाने के लिए विद्यालय के संचालक समिति द्वारा ''ड्रीम पॉइंट होटल, जांजगीर'' में सभी स्टाफके लिए विशेष ''लंच का आयोजन'' किया गया।

भाजपाइयों की संलिप्तता से अवैध रेत उत्खनन और तस्करी जोरों पर, नदियों के अस्तित्व पर गंभीर संकट - अमितेश शुक्ल

गरियाबंद (समय दर्शन)। नदियों में अवैध रेत और खनिज उत्खनन पर हाईकोर्ट की तल्खी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ल ने कहा है कि इस सरकार के संरक्षण में ही रेत का अवैध कारोबार पूरे प्रदेश में पनपा है।भारतीय जनता पार्टी की सरकार और सत्ता के संरक्षण में ही गुंडागर्दी के दम पर नदियों को खाली कराने का खुला खेल चल रहा है। असंतुलित दोहन से पर्यावरण संकट उत्पन्न हो गया है,महानदी, अपरा,सबरी नदी सहित छत्तीसगढ़ की 19 नदियों की धाराएं प्रभावित हो रही हैं। न केवल स्थानीय बल्कि अंतरराज्यीय तस्करों का गिरोह बेखौफ होकर आंध्र, तेलंगाना,महाराष्ट्र,झारखंड, उत्तरप्रदेश और उड़ीसा में भी छत्तीसगढ़ से रेत तस्करी कर रहे हैं।बस्तर में वरिष्ठ पत्रकार बप्पी राय सहित 4 पत्रकारों के खिलाफ षडयंत्र कर झूठे केस में फसाने का मामला सर्वविदित है।पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ल ने कहा है कि नियमत: 15 जून से 15 अक्टूबर तक नदियों में उत्खनन बंद रहता है लेकिन इस वर्ष भरी बरसात में भी रेत खदाने निर्बाध संचालित किए जाते रहे, चैन माउंटेन और पनडुब्बी पंप से रेत उत्खनन जारी रहा। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार के समय पूरी प्रक्रिया पारदर्शी थी।रेत खदानों की नीलामी के बाद खनिज विकास निगम के नियंत्रण में सभी रेत खदानों में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाए गए थे जो भाजपा की सरकार आने के बाद से बंद कर दिए गए। जितने रेत खदान संचालित है उसे तीन गुना अधिक अवैध घाट चल रहे हैं।अवैध उत्खनन,अवैध भंडारण और ओवरलोडिंग परिवहन को सरकार का संरक्षण है।

छत्तीसगढ़ के तमाम नेशनल हाईवे, राजकीय मार्ग, जिला सड़क और गांव में भी सरकारी जमीनों पर अवैध रेत भंडारण आज भी मौजूद हैं। कांग्रेस ने धमतरी, महासमुंद, बिलासपुर और जांजगीर चांपा सहित प्रदेश के 85 जगह पर अवैध रेत भंडारण के खिलाफ आंदोलन किया, हाई कोर्ट की सख्ती के बावजूद भी सत्ताधारी दल के सांठगांठ से अवैधता का कारोबार पूरे प्रदेश में निर्वाचित रूप से चल रहा है और उसी से ध्यान भटकाने के लिए यह सरकार झूठे दावे कर रही है।

अमितेश शुक्ल ने कहा है कि यह सरकार पूरी तरह से रेत माफ्रिया के कब्जे में है। इस सरकार में तस्करों के हौसले इतने बुलंद हैं कि 12 मई 2025 को बलरामपुर में एक कांस्टेबल को ट्रैक्टर से कुचलकर मार दिया गया,यह भाजपा के मंत्री राम विचार नेताम का क्षेत्र है,राजिम,गरियाबंद, कुरूद और धमतरी में रेत माफ्रिया की दबंगई सर्वविदित है।

16 जून 2025 को बलौदा बाजार में खनिज कर्मचारियों,अधिकारियों को बंधक बनाकर मारपीट किया गया,कांग्रेस इस मुद्दे पर लगातार आक्रामक रही,विधानसभा में भी स्थगन प्रस्ताव लाया गया लेकिन यह सरकार पूरी तरह से सरेंडर मोड़ पर है।कमीशन की काली कमाई में हिस्सेदारी के लालच में यह सरकार अवैध रेत के तस्करों को संरक्षण दे रही है,उच्च न्यायालय की कड़ी फटकार के बावजूद इस सरकार का रवैया शुतुरमुर्ग की तरह है।

कलेक्टर बीएस उइके ने जिले के आश्रम, छात्रावास अधीक्षकों की ली समीक्षा बैठक

कलेक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

विद्यार्थियों की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और अन्य सुविधाओं पर दिया जोर

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस. उइके की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में छात्रावास, आश्रम अधीक्षकों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिले के सभी छात्रावास एवं आश्रम अधीक्षकों और आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त श्री लोकेश्वर पटेल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि आश्रम, छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और दैनिक आवश्यकताओं को विशेष रूप से प्राथमिकता दे। उन्होंने वर्तमान में बोर्ड परीक्षाएं तथा आगामी वार्षिक परीक्षाएं चल रही हैं, इसलिए अधीक्षकों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया। छात्रावास में नियमित अध्ययन का माहौल बने, रात्रि अध्ययन के लिए पर्याप्त रोशनी और शांत वातावरण उपलब्ध हो, ताकि विद्यार्थी बिना किसी बाधा के तैयारी कर सकें।

कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थियों को भोजन समय पर और निर्धारित मेनू के अनुसार दिया जाए। भोजन पौष्टिक हो,इसकी गुणवत्ता की नियमित रूप से ध्यान रखें।रसोईघर और भोजनालय की स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की सतत निगरानी की जाए। किसी विद्यार्थी के बीमार पड़ने पर तुरंत निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में उपचार की व्यवस्था कराये। छात्रावास में प्राथमिक उपचार सामग्री रखे, ताकि छोटी-मोटी समस्या का निवारण तुरंत किया जा सके। छात्रावास की साफ-सफाई और स्वच्छता को बनाए रखें,किसी भी प्रकार की गंदगी न हो। उन्होंने कहा कि छात्रावास एवं आश्रम परिसर, कमरे, शौचालय और स्नानागार की प्रतिदिन सफाई की जाए। पेयजल की स्वच्छता और उपलब्धता की भी नियमित जांच हो। सुरक्षा व्यवस्था पर कलेक्टर ने कहा कि छात्रावास परिसर सुरक्षित रहे। रात्रि में अनावश्यक आवागमन को रोका जाए और बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर सख्ती से निगरानी रखी जाए।

कलेक्टर श्री उइके ने कहा कि विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री जैसे पुस्तकें, कॉपियाँ और आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें अतिरिक्त शिक्षा दिया जाए। विद्यार्थियों की उपस्थिति का दैनिक रजिस्टर संधारित किया जाए और छात्रावास में अनुशासन बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।उन्होंने आश्रम, छात्रावास में अधीक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए कहा कि अधीक्षक छात्रावास परिसर में ही निवास करें। बिना पूर्व अनुमति के अनुपस्थिति न रहे। छात्रावास की आधारभूत सुविधाओं जैसे बिजली, पानी, पंखे, फर्नीचर, बिस्तर और शौचालय की स्थिति की नियमित समीक्षा कर किसी भी खराबी की सूचना तुरंत उच्च कार्यालय को देकर मरम्मत कराई जाए।

छात्रावास में स्टॉक रजिस्टर, भोजन रजिस्टर, उपस्थिति रजिस्टर, कैश बुक सहित सभी दस्तावेज अद्यतन रखें। उन्होंने विद्यार्थियों के वार्षिक परीक्षा समाप्त होने के बाद अप्रैल माह में विद्यार्थी की छात्रावृत्ति प्रदान करें।

छात्रावास और आश्रमों के निरीक्षण के लिए जिला स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। निरीक्षण के दौरान अधीक्षक उपस्थित रहकर अधिकारियों को सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं कलेक्टर ने कहा कि कि किसी भी गंभीर समस्या या घटना की सूचना तत्काल आदिवासी विकास कार्यालय को दी जाए और सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान बैठक में छात्रावास संचालन को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी दिए गए।

12 मार्च को छीसगढ़ राज्य महिला आयोग रायपुर में जन-सुनवाई की जाएगी

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग रायपुर कार्यालय द्वारा महिलाओं के उत्पीड़न से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए 12 मार्च 2026 को रायपुर में महा जन-सुनवाई आयोजित की जाएगी। इस जन-सुनवाई में रायपुर संभाग के गरियाबंद, रायपुर, बलौदाबाजार, धमतरी और महासमुंद जिलों से प्राप्त प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी। महिला आयोग की गठित न्यायपीठ के अध्यक्ष डॉ. श्रीमती किरणमयी नायक के साथ सदस्य श्रीमती लक्ष्मी वर्मा एवं श्रीमती सरला कोसरिया उपस्थित रहकर मामलों की सुनवाई करेंगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महा जन-सुनवाई 12 मार्च 2026 को प्रात: 10:00 बजे से छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग कार्यालय, रायपुर में आयोजित की जाएगी। इस दौरान गरियाबंद जिले के कुल 15 प्रकरण की सुनवाई निर्धारित की गई है।

खबर-खास

छत्तीसगढ़ पंचायत परिषद का जिला संयोजक बनी जनपद अध्यक्ष श्रीमती सुषमा गणपत बघेल

कवर्धा (समय दर्शन)। अखिल भारतीय पंचायत परिषद छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद यादव महामंत्री, अखिल भारतीय पंचायत परिषद एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश संयोजक की अनुशंसा पर 8 मार्च 2026 रविवार को छत्तीसगढ़ प्रदेश में संगठन विस्तार के अंतर्गत प्रदेश एवं विभिन्न जिलों के संयोजकों तथा सह-संयोजकों की घोषणा की गई है।परिषद द्वारा संगठन को सशक्त बनाने तथा पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से अनेक पदाधिकारियों को दायित्व प्रदान किया गया है।

प्रदेश सलाहकार डॉ. उदयभान सिंह चौहान रायपुर जिला संयोजक मीरा सलाम कांकेर, पूर्णिमा ऊके दुर्ग, लक्ष्मी देवी चौहान बीजापुर, सुषमा गणपत बघेल कबीरधाम, जनपद पंचायत अध्यक्ष सह-संयोजक बी. शैलजा रायपुर, जयेश सोनी राजनांदगांव उक्त सूची अखिल भारतीय पंचायत परिषद के वरिष्ठ महामंत्री एवं वित्त विभाग के प्रभारी डॉ. रूद्र भानु जी को प्रेषित की गई, जिसे उनके द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है। इसकी प्रतिलिपि परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों संगठन महामंत्री एस. के. रॉय जी, वाइस प्रेसिडेंट वरुण सिन्हा, प्रेसिडेंट बाल्मीकि प्रसाद सिंह, वॉइस प्रेसिडेंट डॉ. नरेन्द्र सिंह गौतम, (जनरल सेक्रेटरी मनोज जादौन, सत्या त्रिपाठी) कार्यकरणी सदस्य रेनू सिंह, वी त्रिपाठी, विपनेश शुक्ला, कार्यकारी अध्यक्ष भारत भाई गाजिपारा तथा परिषद कार्यालय 368, पंचायत धाम, मयूर विहार फेज-1, नई दिल्ली सहित विभिन्न मीडिया संस्थानों को प्रेषित कर दी गई है।परिषद को आशा है कि नव नियुक्त पदाधिकारी अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए प्रदेश में पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने, ग्रामीण विकास को गति देने तथा जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आइजा फातिमा ने रखा अपना पहला रोजा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। नंदई चौक में निवासरत जमील रिजवी की पोती नन्ही बच्ची आइजा फातिमा ने पवित्र रमजान महीने में अपना पहला रोजा रखकर परिवार और मोहल्ले का दिल जीत लिया। कम उम्र में रोजा रखने की इस खुशी को परिवार और रिश्तेदारों ने बड़े उत्साह के साथ मनाया।

आइजा फातिमा ने पूरे दिन धैर्य और श्रद्धा के साथ रोजा रखा और शाम को इफ्तार के समय परिवार के साथ दुआ की। इस खास मौके पर घर में खुशी का माहौल रहा और सभी ने उसे ढेर सारी दुआएं और आशीर्वाद दिए। परिवार के सदस्यों ने बताया कि आइजा फातिमा बचपन से ही धार्मिक परंपराओं में रुचि रखती है और इस बार उसने पूरे उत्साह के साथ अपना पहला रोजा रखा। परिवार को उसकी इस कोशिश पर गर्व है और सभी ने उसके उज्जवल भविष्य के लिए दुआ की। मोहल्ले के लोगों ने भी आइजा फातिमा को बधाई दी और उसकी लगन की सराहना की। रमजान के इस पवित्र महीने में बच्चों का रोजा रखना सभी के लिए खुशी और प्रेरणा का विषय होता है।

जिले की बहुचर्चित पूर्व प्रभारी प्राचार्य कुंज किशोर का संचनालय से हुआ जारी निलंबन आदेश संचालक लोक शिक्षण द्वारा कलेक्टर की पर की गई कार्यवाही

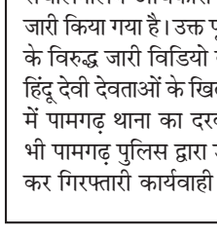

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। जिले की बहुचर्चित आत्मानंद स्कूल महात्मा ज्योतिबा फुले उत्कृष्ट विद्यालय डोंगाकोहरौद के पूर्व प्रभारी प्राचार्य कुंज किशोर के विरुद्ध संचनालय लोक शिक्षण रायपुर से बड़ी कार्यवाही सामने आया है जिसमें उसे निलंबित कर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जांजगीर चांपा में अटैच कर दिया गया है । ज्ञात हो कि उनके विरुद्ध दिसंबर 2025 में कलेक्टर के समक्ष गंभीर शिकायते सामने आया था जिसमे प्रेक्टिकल परीक्षा में विद्यार्थियों को 10 बोनस अंक देने के नाम पर स्कूल की रंगाई पुताई कराने , स्कूल फीस की अधिक वसूली , हिंदू देवी देवताओं के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी कर छात्र छात्राओं को धमकाने का विडियो भी वायरल हुआ था। इस शिकायत की सामने आने पर वर्तमान कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने शिक्षा विभाग की अमले सहित वहां पहुंच कर जांच बयान के बाद तात्कालिक रूप से उसे वहां से हटाकर अन्यत्र स्कुल में व्याख्याता के पद पर पदस्थी आदेश जारी किया गया था । इस कार्यवाही के बाद अग्रिम कार्यवाही के लिए जांच प्रतिवेदन कलेक्टर जांजगीर चांपा द्वारा 11 दिसंबर 2025 को लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर भेजा गया था। इसमें आरोपी पूर्व प्रभारी प्राचार्य कुंज किशोर की बयान से असंतुष्ट होकर आज 9 मार्च को लोक शिक्षण संचालनालय अधिकारी द्वारा उनका निलंबन आदेश जारी किया गया है। उक्त पूर्व प्रभारी प्राचार्य कुंज किशोर के विरुद्ध जारी विडियो वायरल में हिंदू संगठनों द्वारा हिंदू देवी देवताओं के खिलाफअभद्र टिप्पणी के मामले में पामगढ़ थाना का दरवाजा खटखटाया था जिसमें भी पामगढ़ पुलिस द्वारा उसके विरुद्ध मामला कायम कर गिरफ्तारी कार्यवाही की गई थी।

एनएमडीसी बीआईओएम किरंदुल परियोजना में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया

दंतेवाड़ा किरंदुल (समय दर्शन)। एनएमडीसी लिमिटेड की बैलाडीला आयरन ओर माइन (बीआईओएम) किरंदुल परियोजना की महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को उत्साहपूर्ण ढंग से मनाया। कार्यक्रम प्रशिक्षण संस्थान के ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत बीआईओपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल की शिक्षिकाओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुई। मुख्य अतिथि रवीन्द्र नारायण (अधिशासी निदेशक, किरंदुल परियोजना) एवं विशिष्ट अतिथियों—के.एल. नागवेणी (उप महाप्रबंधक, मानव संसाधन), डॉ. मनीषा लाल (मुख्य चिकित्सा अधिकारी), एस. गुहा (उप महाप्रबंधक, वित्त), राजेश संधू (सचिव, एसकेएम संघ), ए.के. सिंह (सचिव, एमएमडब्ल्यू यूनियन) एवं अन्य यूनियन पदाधिकारियों ने शिरकत की। सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर हार्दिक स्वागत किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम आरंभ हुआ। अतिथियों ने अपने संबोधन में महिलाओं के सम्मान, समानता एवं समाज में उनके अतुलनीय योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि यह दिन नारी शक्ति, संघर्ष और उपलब्धियों को सलाम करने का अवसर है। यह महिलाओं के सशक्तिकरण, समानता को बढ़ावा देने तथा समाज में सम्मानजनक स्थान सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम के दौरान हाल ही में आयोजित महिला क्रिकेट टूर्नामेंट की विजेता एवं उप-विजेता टीमों को मुख्य अतिथि द्वारा ट्रॉफी एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को प्रोत्साहन स्वरूप गिफ्ट कूपन भेंट किए गए। महिलाओं ने घरेलू स्वादिष्ट व्यंजनों, कलात्मक सलाद सजावट एवं फूलों की प्रदर्शनी लगाकर आयोजन में चार चांद लगा दिए, जिनका सभी ने आनंद लिया।

गरियाबंद यातायात पुलिस की नेकी कार्य

गरियाबंद (समय दर्शन)। मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर राजिम मुख्य रोड एन एच 130 ष्ट कचना धुर्वा भगवान मंदिर के पास ढलान एवं मोड़ पर पूर्व में एक ट्रक के एक्सीडेंट से क्षतिग्रस्त होकर एक साइनबोर्ड मुड़कर ख़तरनाक ढंग से रोड तरफआ गया था जिससे रोड पर आने जाने वाले आम लोग किसी गंभीर दुर्घटना के शिकार हो सकते थे।उक्त मुड़े साइन बोर्ड को यातायात पुलिस आम लोगों के मदद से दुरुस्त कर छोटी सी नेकी कार्य किया गया और संभावित बड़ी दुर्घटना को टाला गया।

ज्ञात हो कि यातायात पुलिस लोगो को सुरक्षा के लिए मुख्य मार्ग में लगातार सर्चिंग करती रहती है और दुर्घटना में घायलों को सुरक्षा प्रदान तो करती ही है साथ ही सड़क में दुर्घटनाओं के संभावित कारणों का भी निवारण करती है उसी सूझबूझ के तहत ये साइबोर्ड को सुधारा गया ताकि किसी प्रकार की अनहोनी या दुर्घटना को रोका जा सके।

सत्तारूढ़ भाजपा और सरकार के संरक्षण में हो रही अफीम की खेती

बिलासपुर (समय दर्शन)। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण एवं शहर जिला अध्यक्ष महेंद्र गंगोत्री व सिद्धांशु मिश्रा ने आरोप लगाया है कि सत्तारूढ़ दल भाजपा और सरकार के संरक्षण में प्रदेश में अफीम की खेती की जा रही है । यह मामला उजागर हों जाने के बाद गृहमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए साथ ही पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाई जानी चाहिए।

कांग्रेस भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि कुल दुर्ग के समोदा गांव में एक खुलासा हुआ कि वहां पर एक फार्म हाउस के अंदर लगभग 10 एकड़ में अफीम की खेती हो रही थी।यह अफीम की खेती भाजपा नेता विनायक चंद्राकर करवा रहा था। विनायक चंद्राकर भाजपा के दुर्ग जिले को किसान मोर्चा का पूर्व अध्यक्ष है तथा वर्तमान में वह भाजपा के राईस मिल प्रसंस्करण प्रकल्प का प्रदेश संयोजक है।भाजपा के सभी कार्यक्रमों में उसकी महत्वपूर्ण और सक्रिय भागीदारी रहती है।वह भाजपा का स्थापित नेता और प्रदेश पदाधिकारी है।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष द्वय ने कहा कि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह, तोखन साहू गृह मंत्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद विजय बघेल, भाजपा के राष्ट्रीय नेता अजय जामवाल, शिवप्रकाश सहित अनेकों नेताओं के साथ आरोपी भाजपा नेता की तस्वीरें सोशल मीडिया में है। बिना सरकार के संरक्षण के कोई अफीम की खेती खुलेआम करे यह संभव नहीं है। भाजपा जब से सरकार में आई जुआ, सट्टा, शराब की तस्करी बढ़ गयी, नशे का कारोबार बढ़ गया, सत्ता में बैठे लोग इसको संरक्षण देते है इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेकर गृह मंत्री इस्तीफा दें।

उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में छत्तीसगढ़ नशे के मामले में पंजाब, गुजरात और पश्चिम बंगाल को पीछे छोड़ चुका है।शहरों के आउटर के कैफे तो युवाओं को नशा परोसने का केंद्र बन चुके है। पुलिस इसको रोकने के बजाय सहयोगी बनी हुई है। कांग्रेस की सरकार थी तब वर्षों से चल रहे हुक्काबारो को बंद करवाया था, राज्य में सूखे नशे के कारोबार को पूरी तरह समाप्त किया गया था। भाजपा की सरकार बनने के बाद एक बार फिर से नशे का कारोबार शुरू हो गया है।

सरकार नशे के कारोबार पर रोक लगाने में विफल साबित हो रही है। पूरे प्रदेश में युवा नशे की गिरफ्त में जा रहे है। सरकार और पुलिस की मिलीभगत के कारण ही प्रदेश के युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे है।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष द्वय ने आरोप लगाया कि पिछले दो साल में शराब, गांजा, अफीम, हिरोईन जैसे नशों के कारण प्रदेश की युवा पीढ़ी में नशे की लत महामारी का रूप ले चुकी है। चंद पैसों के लिए सत्तासीन लोग नशे के बढ़ते कारोबार को रोकने के बजाय संरक्षण दे रहे है।बिना सत्ता के संरक्षण के ड्रग राजधानी में खुलेआम नहीं बिक सकता, राज्य में भाजपा की 2 साल से सरकार है। कौन सत्ताधीश इसके पीछे है इसका भी खुलासा होना चाहिए?

प्रदेश में अवैध नशे के कारोबार को संरक्षण, भाजपा की सरकार में मिल रहा है। नशीली दवाएं, प्रतिबंधित गोलियां, अवैध सूखा नशा गली मोहल्ले में निर्वाध बिक रही है, नाबालिक बच्चों तक पहुंचाई जा रही है ।

गढ़फुलझर नानक सागर में 15 मार्च को धूमधाम से मनाया जाएगा होला महल्ला

इस भव्य आयोजन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे शामिल

गुरुद्वारा, अस्पताल और यात्री निवास के लिए होगा भूमिपूजन

बसना (समय दर्शन)। बसना विकास खण्ड के दक्षिण में 8 किलोमीटर दूरी पर गढ़ फुलझर गढ़ की प्राकृतिक वनांचल शरहद पर बसा ऐतिहासिक धरोहर नानक सागर स्थित है, जहां 520 वर्ष पूर्व सिख धर्म के प्रथम गुरू नानकदेव जी का आगमन हुआ था। उनके नाम से ही सरोवर एवं ग्राम का नाम नानक सागर पड़ा है। इस ऐतिहासिक धरोहर को क्षेत्रवासियों एवं सिख धर्म के उदारमना समाजजनों ने गुरू महाराज की इस ऐतिहासिक स्थल को संजोने का बीड़ा उठाया है।

इस पुरे स्थल में 15 मार्च को होला महल्ला का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम नानक सागर गुरुद्वारा समिति के तत्वावधान में आयोजित होगा। खास बात यह है कि इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी नानक सागर पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल होंगे। साथ ही गुरुद्वारा, अस्पताल एवं यात्री निवास निर्माण के लिए भूमिपूजन अरदास भी की जाएगी।

गढ़फुलझर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान हरजीन्दर सिंह हरजू ने बताया कि श्री गुरु नानक देव जी के ऐतिहासिक स्थल नानक सागर में इस वर्ष होला महल्ला का आयोजन विशेष श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जा रहा है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को आमंत्रित किया गया था, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया है। कार्यक्रम के तहत 15 मार्च की सुबह 9 बजे 13 जनवरी से प्रारंभ श्री अखंड पाठ का समापन होगा। इसके बाद अलौकिक कीर्तन समागम का आयोजन किया जाएगा। दिनभर चलने वाले लंगर के बाद दोपहर लगभग 2 बजे गुरुद्वारा, अस्पताल और यात्री निवास निर्माण के लिए भूमि पूजन की अरदास की जाएगी।

दोपहर 3 बजे से पंजाब के डेरा चरणबाग गोइंदवाल के सेवादार बाबा सुबेग सिंह की उपस्थिति में पारंपरिक गतका प्रदर्शन और फूलों की होली खेली जाएगी। इसके साथ ही कबड्डी, कुश्ती, घुड़सवारी, रस्साकसी सहित कई मनोरंजक और पारंपरिक खेलों का आयोजन भी किया जाएगा।

देश-विदेश से पहुंचेगे श्रद्धालु

होला महल्ला कार्यक्रम की तैयारियों के तहत दिल्ली के देवेंद्र सिंह आनंद, रिंकू ओबेरॉय, हरदीप सिंह, भाई दविंद्र सिंह, जोगिंदर सिंह, सरायपाली के रोमी सलूजा, बसना के जसवंत सिंह सलूजा, मुखविंदर सिंह रंधावा, हरपाल सिंह ओबेरॉय, जोरावर सिंह, शिवरीनारायण के गुलजीत सिंह गांधी तथा सारंगढ़ के सोनू छाबड़ा सहित कई प्रतिनिधि जिले भर की सिख समितियों और प्रमुख जनों को आमंत्रित कर रहे हैं। आयोजकों के अनुसार गुरु की पावन भूमि पर गुरुद्वारा निर्माण और होला महल्ला के आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है, जिसे देखते हुए देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के नानक सागर पहुंचने की संभावना है। गुरुद्वारा, अस्पताल और यात्री निवास के लिए होगा भूमिपूजन, देश-विदेश से श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

आजीविका डबरी, प्रोजेक्ट उन्नति प्रशिक्षण और मेट पदों में प्राथमिकता से बढ़ रही महिलाओं की भागीदारी

मनरेगा से महिलाओं को मिल रहा रोजगार और आत्मनिर्भरता की नई दिशा

मुंगेली(समय दर्शन)। ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिले में कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में इस योजना के माध्यम से महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ आजीविका संवर्धन और कौशल विकास के अवसर भी प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे वे न केवल परिवार की आर्थिक मजबूती में योगदान दे रही हैं बल्कि सामाजिक रूप से भी सशक्त बन रही हैं। जिले में मनरेगा के अंतर्गत 98 हजार 512 से अधिक महिलाओं को रोजगार मिला है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 69 हजार 927 महिलाओं को 19.56 लाख मानव दिवस का रोजगार प्रदान किया जा चुका है। इससे प्रत्येक महिला को औसतन 07 हजार 47 रुपये की आय प्राप्त हुई है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति में सकारात्मक सुधार देखा जा रहा है। मनरेगा के तहत महिलाओं के लिए आजीविका संवर्धन के उद्देश्य से आजीविका डबरी का निर्माण कराया जा रहा है। इन डबरियों के माध्यम से महिलाएं मछली पालन, सब्जी-भाजी उत्पादन और कृषि कार्य कर अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ रही है और वे आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। साथ ही मनरेगा के प्रोजेक्ट उन्नति के अंतर्गत श्रमिकों के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में समूहों की महिलाओं को ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से 13 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 35 स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को कृषि सखी के रूप में प्रशिक्षित किया गया, जिससे महिलाओं के कौशल, आत्मविश्वास और रोजगार की संभावनाओं में वृद्धि हुई है।

मनरेगा कार्यों के संचालन में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मेट पदों पर भी उन्हें प्राथमिकता दी जा रही है। जिले में अब तक 01 हजार 117 महिलाओं का चयन मेट के रूप में किया गया है। ये महिलाएं विभिन्न कार्यस्थलों पर श्रमिकों के समन्वय और कार्य संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

10 मार्च को भिलाई में श्रमिक सम्मेलन का आयोजन, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव होंगे मुख्य अतिथि

दुर्ग (समय दर्शन)। श्रम विभाग द्वारा जिले के श्रमिकों के हित में 10 मार्च को श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर भिलाई में सुबह 11 बजे आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुर्ग सांसद श्री विजय बघेल करेंगे। श्रम विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार सम्मेलन के दौरान छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित श्रमिकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से राशि अंतरित की जाएगी।

इन योजनाओं में प्रमुख रूप से मिनीमाता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना तथा मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना शामिल हैं।

मृतक के परिजन को मिली 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टरअभिजीत सिंह ने दुर्घटना में मृतक के परिजन को 04-04 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तितुरघाट तहसील धमधा जिला दुर्ग निवासी श्रीमती केजा बाई की कुएं में गिरने व पानी में डूबने से 21 फरवरी 2025 को मृत्यु हुई थी। इसी प्रकार ग्राम टेकापार जिला दुर्ग निवासी श्री अभिषेक सोनवानी की राजा तालाब में नहाते समय गहरे पानी में डूबने से 02 मई 2024 को मृत्यु हुई थी।

भारत बना टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन, न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया

गरियाबंद के तिरंगा चौक पर जीत का जश्न, जमकर आतिशबाजी

गरियाबंद (समय दर्शन)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। भारत की जीत के साथ ही पूरे देश में जश्न का माहौल बन गया। गरियाबंद में भी क्रिकेट प्रेमियों ने सड़कों पर उतरकर जीत की खुशी मनाई।

न्यूजीलैंड का आखिरी विकेट गिरते ही जिला मुख्यालय के तिरंगा चौक पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। पूर्व नपा अध्यक्ष गफ्फूमेमन के नेतृत्व में क्रिकेट प्रेमियों ने जमकर आतिशबाजी की और तिरंगा लहराते हुए भारत माता के जयकारे लगाए। लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी और देर रात तक जश्न का माहौल बना रहा।

उल्लेखनीय है कि रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 19 ओवर में 159 रन पर ऑलआउट हो गई।

भारत ने शानदार बल्लेबाजी, सटीक गेंदबाजी और बेहतरीन क्षेत्ररक्षण का प्रदर्शन करते हुए मुकाबला एकतरफा अंदाज में अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारत लगातार दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन बना और यह उसका तीसरा खिताब भी है।भारत की इस ऐतिहासिक जीत पर पूर्व नपा अध्यक्ष गफ्फूमेमन ने कहा कि भारतीय टीम ने पूरे वर्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में भी बेहतरीन बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि लगातार दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीतना पूरे देश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों की मेहनत, टीम वर्क और जज्बे की बदौलत देश को यह बड़ी सफलता मिली है। आज हर भारतीय गर्व महसूस कर रहा है। इसी खुशी में गरियाबंद के क्रिकेट प्रेमी भी एकजुट होकर भारत की जीत का जश्न मना रहे हैं।

न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग छ.ग.

ईश्तहार

रा प्र.क. 202601100900063 अ / 6
वर्ष 2025-26

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम अमलेश्वर प.ह.नं. 03 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ किया जाता है कि आवेदिका कंचन बजाज पिता शंकर बजाज निवासी ग्राम माया मेडिकल स्टोर्स के पास लाखे नगर रायपुर जिला रायपुर छ.ग. द्वारा मौजा ग्राम अमलेश्वर प.ह.न. 03 तहसीलं पाटन जिला दुर्ग स्थित अपने नाम दर्ज भूमि पुराना खसरा नंबर 147 एवं 148 रकबा 0.931, 0.364 हे0 का नया खसरा नंबर 714 रकबा 1.13 हे0 एवं बंदोबस्त त्रुटि होकर 0.10 हे0 रकबा में कमी एवं नक्शा में भी हुई त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदिका कंचन बजाज पिता शंकर बजाज निवासी ग्राम माया मेडिकल स्टोर्स के पास लाखे नगर रायपुर जिला रायपुर छ.ग. द्वारा दर्शित बंदोबस्त त्रुटि सुधार की कार्यवाही मे जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण मे सुनवाई तिथि 10.03.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23.02.2026 को जारी किया गया ।

मुहर

तहसीलदार
पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

महंगाई और नशे के खिलाफ कांग्रेस सड़कों पर, प्रधानमंत्री का पुतला फूंका

भाजपा नेता के फार्महाउस में 10 एकड़ अफीम, सरकार बताए किसका संरक्षण - नवीन जायसवाल

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नवीन जायसवाल के नेतृत्व में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि दुर्ग जिले के समोदा गांव में एक फार्महाउस के भीतर लगभग 10 एकड़ जमीन पर अफीम की खेती का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। इस मामले ने पूरे प्रदेश में हड़कंप मचा दिया है। कांग्रेस ने इसे भाजपा सरकार की कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल बताते हुए कहा है कि बिना सत्ता और प्रशासन के संरक्षण के इतनी बड़ी मात्रा में अफीम की खेती संभव ही नहीं है।

जिला अध्यक्ष श्री जायसवाल ने कहा कि यह अफीम की खेती भाजपा से जुड़े नेता विनायक ताम्रकार के फार्महाउस में की जा रही थी। विनायक चंद्राकर भाजपा के दुर्ग जिले के

किसान मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में भाजपा के राइस मिल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक बताए जा रहे हैं। भाजपा के विभिन्न कार्यक्रमों में उनकी सक्रिय भूमिका रही है और वे पार्टी के स्थापित नेताओं में गिने जाते हैं।

सोशल मीडिया में विनायक चंद्राकर की तस्वीरें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, प्रदेश के गृह मंत्री विजय शर्मा, कृषि

मंत्री रामविचार नेताम, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव और सांसद विजय बघेल सहित कई भाजपा नेताओं के साथ मौजूद हैं, जिससे उनके राजनीतिक संबंधों की चर्चा भी तेज हो गई है।

क्या अब भाजपा नेता के घर पर बुलडोजर चलेगा? - नवीन जायसवाल

नवीन जायसवाल ने इस मामले पर भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि प्रदेश में छोटी-छोटी घटनाओं में आम जनता के घरों पर बुलडोजर चलाने वाली सरकार अब क्या भाजपा नेता के फार्महाउस पर भी बुलडोजर चलाने की हिम्मत दिखाएगी ?

उन्होंने कहा कि धान का कटोरा कहलाने वाला छत्तीसगढ़ आज सूखे नशे के कारण बदनाम होता जा रहा है। भाजपा सरकार बनने के बाद प्रदेश में जुआ, सट्टा और नशे का कारोबार तेजी से बढ़ा है। इस पूरे मामले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृह मंत्री विजय शर्मा को इस्तीफा देना चाहिए।

नवीन जायसवाल ने आरोप लगाया कि गांव में भाजपा नेता का इतना दबदबा है कि ग्रामीण खुलकर बोलने से डरते हैं। यहां तक कि गांव में अंतिम संस्कार जैसे कार्यक्रमों के लिए भी उनकी अनुमति लेने की बात सामने आती रही है। ऐसे में उनके खेत में अफीम की खेती होने के बावजूद हमें जानकारी नहीं थी कहना पूरी तरह अविश्वसनीय है।

मक्का-गेहूं के बीच छिपाकर उगाई जा रही थी अफीम

बताया जा रहा है कि मक्का और गेहूं की फसल के बीच सुनियोजित तरीके से अफीम की खेती की जा रही थी। पूरे फार्महाउस क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए थे, जिससे साफहै कि यह काम पूरी योजना और निगरानी के साथ किया जा रहा था। जिला अध्यक्ष श्री जायसवाल ने कहा कि 500 रुपया में सिलेंडर देने का वादा करने वाली सरकार आज 1000 रुपया में सिलेंडर दे रही है । भाजपा गरीब और आमजन की पार्टी है ही नही ,ये व्यापारियों की पार्टी है और 2014 में जब से भाजपा की सरकार केंद्र में बनी है तबसे सब्सिडी वाले सिलेंडर में 5 प्रतिशत लस्स्ज लग रहा है।

आज कार्यक्रम में प्रमुखरूप से प्रदेश सचिव विरेन्द्र जांगड़े, प्रदेश सचिव जगमोहन साहू,पड़रिया ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम साहू, बोड़ला ब्लॉक अध्यक्ष छबिलाल वर्मा, कुंडा ब्लॉक अध्यक्ष उत्तर दिवाकर, लोहार ब्लॉक अध्यक्ष सौखीराम साहू, महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष नारायणी तोंडरा, किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष रवि चंद्रवंशी, ह्स्ड्डु जिला अध्यक्ष शीतेष चंद्रवंशी, शिवप्रसाद वर्मा, भीषण पांडे, मनीष शर्मा, गोपाल चंद्रवंशी, सूरज वर्मा,अगम अनंत, त्रिलोकचंद निर्मलकर, आकाश केशवानी, मेहुल सत्यवंशी, सुधांशु बघेल,भुनेश्वर पटेल, नारद चंद्रवंशी, धीरज सिंह,अश्वनी वर्मा, चेतन वर्मा, विकाश चंद्रवंशी, अमन वर्मा, नरेंद्र वर्मा, तुषार वर्मा, वीरेन्द्र चंद्राकार, वैभव ठाकुर, आशीष साहू, सुजल ठाकुर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सीमा अनंत ने कहा कि पिछले दो वर्षों में शराब, गांजा, अफीम और हेरोइन जैसे नशों के कारण प्रदेश की युवा पीढ़ी तेजी से इसकी गिरफ्त में आ रही है। युवाओं में नशे की लत अब महामारी का रूप लेती जा रही है।

संक्षिप्त-खबर

इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में पूर्व माध्यमिक शाला भरदालोधी के छात्र ओमकार साहू का जिला स्तर पर चयन

साजा (समय दर्शन)। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित 'इंस्पायर अवार्ड मानक योजना' सत्र 2026 में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भरदालोधी के छात्र ओमकार साहू ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ओमकार द्वारा तैयार किए गए नवाचारी 'कटर मशीन' मॉडल का चयन जिला स्तरीय प्रदर्शनी के लिए किया गया है। ओमकार की इस सफलता से न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। उनके इस मॉडल को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और ग्रामीण तकनीक की सुगमता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसकी सराहना चयन समिति द्वारा की गई।

शिक्षकों और वरिष्ठ अधिकारियों ने बधाई दी। छात्र की इस विशिष्ट उपलब्धि पर शिक्षा जगत के वरिष्ठ अधिकारियों और शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। बधाई देते हुए मुख्य रूप से संकुल प्राचार्य एस के कन्नौजे, संकुल समन्वयक मनीराम श्रीवास, पूर्व माध्यमिक शाला प्रधान पाठक हीरालाल वर्मा, प्राथमिक शाला प्रधान पाठक मुकेश वर्मा,शिक्षक नरेश कुमार बघेल,राजू सेन, चुरावन सिंह बघेल और शिवेन्द्र डहरवाल शामिल रहे। संस्था के प्रधान पाठक हीरालाल वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें सही मार्गदर्शन और मंच की आवश्यकता होती है। ओमकार का चयन अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा। ओमकार साहू अब जिला स्तरीय प्रतियोगिता में अपने मॉडल का प्रदर्शन करेंगे, जहाँ उन्हें राज्य स्तर पर चयनित होने का अवसर प्राप्त होगा। ओमकार साहू की उपलब्धि को लेकर क्षेत्रवासियों में हर्ष व्याप्त है।

रोजगार कार्यालय कोरबा में प्लेसमेंट केंप 11 मार्च को

कोरबा (समय दर्शन)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कोरबा में प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 11 मार्च को किया जा रहा है। प्लेसमेन्ट कैम्प के माध्यम से नियोजक -. प्रिंसीपल सिक्योरिटी एण्ड एलाईड सर्विसेस प्रा0लि0, कोरबा, द रियल हण्टर बालको कोरबा, कृष्णा कॉरपोरेशन कोरबा और अपोलो फार्मासिटिज लिमि0 रायपुर द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। रिक्तियों का विवरण इस प्रकार है - सिक्योरिटी गार्ड - 70, सिक्योरिटी सुपरवाईजर - 10, सिक्योरिटी गार्ड डॉग हेण्डलर - 10, सिक्योरिटी गार्ड डॉग हेण्डलर - 02, सी.आर.ओ.- 02, टेक्निकल असिस्टेंट- 06, फार्मासिस्ट 10, फार्मेसी असिस्टेंट- 10 योग्यता- 8वी - 12वीं - स्नातक, आयु सीमा- 18-45 वर्ष तक एवं वेतनमान रूपये - 7,000 से 15,000 तक नियोजक द्वारा निर्धारित किया गया है। उक्त रिक्त पद कोरबा के लिए है।

प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित होने हेतु वेबसाईट www.erojgar.cg.gov.in में आवेदक का रोजगार पंजीयन आवश्यक है। साथ ही इच्छुक रिक्त पदों को चयन करें। जिन आवेदकों ने रोजगार पंजीयन नहीं किया है वे वेबसाईट में अपना पंजीयन करवा सकते हैं। प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित होने हेतु अपना समस्त शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र और पासपोर्ट साईज फेटो रोजगार पंजीयन, अनुभव प्रमाण पत्र इत्यादि दस्तावेजों के साथ निर्धारित स्थल में उपस्थित हो सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, कोरबा के दूरभाष नंबर 07759-222069 में संपर्क कर सकते हैं एवं रोजगार कार्यालय के टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ सकते हैं।

संगठन या सिफारिश? कोरबा युवा मोर्चा की नई सूची ने खड़े किए कई सवाल

कोरबा(समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के

युवा संगठन भारतीय जनता युवा मोर्चा की हाल ही में जारी जिला कार्यकारिणी सूची के बाद जिले की राजनीति में हलचल मच गई है। सूची सामने आते ही कई पुराने और जमीनी कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जाहिर की है और संगठन के भीतर गुटबाजी के आरोप लगने लगे हैं। बताया जा रहा है कि वर्षों से पार्टी के लिए सक्रिय रहे कई समर्पित कार्यकर्ताओं को इस बार जिम्मेदारी नहीं दी गई, जबकि कई नए चेहरों को महत्वपूर्ण पदों पर जगह मिल गई। इससे संगठन के भीतर असंतोष की स्थिति बनती दिखाई दे रही है।

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि यदि संगठन में मेहनत और समर्पण से ज्यादा सिफारिश और गुटबाजी को प्राथमिकता दी जाएगी, तो इसका असर जमीनी स्तर पर पड़ सकता है। कई कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी के लिए वर्षों से मेहनत करने वालों को नजरअंदाज करना उनके मनोबल को कमजोर करता है। वहीं, कुछ कार्यकर्ताओं ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि संगठन के भीतर अब खुलकर गुटबाजी दिखाई देने लगी है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस स्थिति को नहीं संभाला गया तो इसका असर आने वाले चुनावों में भी देखने को मिल सकता है। फिलहाल जिले की राजनीतिक फिजा में यही सवाल गूंज रहा है कि क्या संगठन में चल रही अंदरूनी खींचतान भाजपा के लिए आगे चलकर मुश्किलें खड़ी कर सकती है ?

सूचना के अधिकार के तहत सूचना न मिलने पर आवेदक ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी से की न्याय की मांग

स्थानीय स्तर पर न्याय नही मिलने पर राज्य सूचना आयोग जाने की तैयारी

कोरबा-पोड़ी उपरोड़ा (समय दर्शन)। देश भर मे लागू सूचना का अधिकार कानून के तहत मांगी गई जानकारी से संबंधित आवेदन जमा करने की तिथि से 30 दिन (जीवन/स्वतंत्रता के लिए 48 घण्टे) के भीतर जानकारी न मिलने पर आवेदक द्वारा प्रथम अपील की जा सकती है। यदि प्रथम अपील के बाद भी अपीलीय अधिकारी द्वारा कोई निर्णय नही लेने पर आवेदक 90 दिनों के भीतर द्वितीय अपील (धारा 18/19) के तहत राज्य या केंद्रीय सूचना आयोग जा सकता है। इस अधिनियम में समय सीमा पर जवाब नही मिलने पर धारा 7(6) के तहत निशुल्क जानकारी दिया जाना आरटीआई कानून में तय किया गया है। ऐसे ही पोड़ी उपरोड़ा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत अमझर (अ) से सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत समय से जानकारी न मिलने पर एक जागरूक नागरिक ने व्यवस्था

की नींव हिला दी है। आवेदक अजय महंत ने पंचायत लोक सूचना अधिकारी के खिलाफमोर्चा खोलते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जनसूचना अधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है।

अजय महंत ने गत दिनांक 16 सितंबर 2025 को आरटीआई के तहत ग्राम पंचायत अमझर (अ) से वित्तीय वर्ष 2024- 25 में मुरम कार्य हेतु किये गए भुगतान से संबंधित बिल बाउचर की प्रमाणित प्रतियां मांगी थी। लेकिन लोक सूचना अधिकारी एवं पंचायत सचिव ने तय 30 दिनों की सीमा में सही, स्पष्ट एवं संतोषजनक जानकारी के बजाय भ्रमित जानकारी उपलब्ध कराई। इससे क्षुब्ध होकर आवेदक ने दिनांक 10 अक्टूबर 2025 को प्रथम अपील के माध्यम से जनपद पंचायत कार्यालय में जनसूचना अधिकारी के समक्ष प्रथम अपील की। जिसके परिपालन में जनसूचना अधिकारी एवं सीईओ ने लोक सूचना अधिकारी/सचिव को 15 दिवस के भीतर आवेदक द्वारा चाही गई जानकारी उपलब्ध कराने निर्देशित किये। किंतु उक्त निर्देश के बावजूद सचिव ने आवेदक को जानकारी मुहैया नही कराई। आवेदक ने मामले को पुन: मुख्य कार्यपालन अधिकारी के दरवाजे पर ला पटका है और दिनांक 27 फरवरी 2026 को शिकायती आवेदन के तहत पंचायत सचिव पर सूचना के अधिकार का उल्लंघन, अपीलीय आदेश की अवहेलना व विधिक दायित्वों की उपेक्षा मामले में आवश्यक कार्रवाई की मांग करते हुए अविलंब चाही गई जानकारी प्रदान करने मांग की है। आवेदक अजय का आरोप है कि पंचायत सचिव सह लोक सूचना अधिकारी ने न सिर्फ आरटीआई अधिनियम का उल्लंघन किया, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही जैसे मूलभूत अधिकारों को भी ताक पर रख दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि स्थानीय स्तर पर न्याय नही मिला, तो वे राज्य सूचना आयोग तक लड़ाई को ले जाने के लिए तैयार है। बता दें कि सूचना का अधिकार अधिनियम केवल एक कानून नही, बल्कि आम जनता की आंख और आवाज है। इसमें इस तरह की लापरवाही लोकतंत्र को कमजोर करती है। बहरहाल शिकायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पास दर्ज है, और देखना होगा कि लापरवाही के इस अंधेरे को न्याय का उजाला कब चीरता है? अजय महंत और तमाम जागरूक नागरिकों को उम्मीद है कि आरटीआई की गरिमा बरकरार रहेगी और जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई होगी।

तेरस मेला एवं मानस बसंत उत्सव की तैयारी तेज बैठक में पदाधिकारियों को सौंपे गए दायित्व

थानखम्हरिया(समय दर्शन)। मां बंजारी सेवा समिति बरगा एवं मां भद्रकाली तहसील मानस संघ साजा के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 17 मार्च को बंजारी धाम बरगा में भव्य तेरस मेला एवं मानस बसंत उत्सव (होली मिलन) का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन की तैयारियों को लेकर 08 मार्च को मां बंजारी मंदिर प्रांगण बरगा में मां भद्रकाली तहसील मानस संघ साजा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं आयोजन को भव्य और सफल बनाने के लिए विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपते हुए सभी से सक्रिय सहयोग का आह्वान किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से कन्हैयालाल पाल को शक्ति केंद्र बरगा का अध्यक्ष तथा विनोद साहू को शक्ति केंद्र खाती का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। मां भद्रकाली तहसील मानस संघ साजा के अध्यक्ष श्रवण कुमार साहू ने दोनों नवनियुक्त अध्यक्षों को नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान कर शुभकामनाएं दीं तथा संगठन विस्तार के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। दोनो नवनियुक्त अध्यक्षों को मां भद्रकाली जिला मानस संघ बेमेतरा के अध्यक्ष देवलाल सिन्हा सहित जिला पदाधिकारीगण छगन लाल साहू, नरेन्द्र जायसवाल, डॉ ओमकार चन्द्राकर, विष्णु साहू, उत्तम साहू, बिहारी लाल यादव, महेश कुमार साहू, लोकेन्द्र सेन, ललित साहू, विश्वनाथ साहू ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर खेलन सिंह राजपूत, आत्माराम पटेल, रवि दास मानिकपुरी, प्रेमलाल पाल, हरेन्द्र साहू, रूपेश कुमार साहू सहित संघ के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

साधारण जुर्माना अदा करिए, नियम विरुद्ध तरीके से खूब चलाइए अस्पताल

बिलासपुर(समय दर्शन)। एक ही डॉक्टर के शैक्षणिक प्रमाण पत्रों का एक से अधिक स्थान पर बखूबी उपयोग किया जा सकता है। भले ही चिकित्सक इससे सहमत हो या ना हो, यदि चिकित्सक और सहमत होगा और इस बात की शिकायत कर भी देगा तो अधिकतम अस्पताल संचालक पर आर्थिक दंड किया जा सकता है और दंड की राशि ?20000 हो सकती है। अस्पताल संचालक इस राशि को अदा करने के बाद अपना अस्पताल दोबारा चला सकते हैं।

इसी तरह का एक मामला डॉक्टर उमाकांत राठौर का है। उन्होंने इस आशा की शिकायत बिलासपुर के सक्षम अधिकारी को की परिणाम गोंडल के अस्पताल संचालक अर्थ दंड लगा और अस्पताल शीघ्र दोबारा चालू हो गया।

शिकायतकर्ता डॉक्टर महोदय इनोसेंट नहीं है वे ऐसे तीन जिलों में प्रैक्टिस कर रहे हैं और बलौदा बाजार क्षेत्र के एक अस्पताल में हुए और स्वाभाविक मृत्यु के मामले में थाने के चक्कर भी काट रहे हैं। बताया जाता है कि उनके इस मामले में एंबुलेंस ड्राइवर, अस्पताल संचालक जेल भी कट आए। चालान में नाम ना आने के लिए डॉक्टर द्वय खूब मेहनत किए उसी के तहत अपना दामन साफबताने के लिए उन्होंने शैक्षिक प्रमाण पत्रों के दुरुपयोग के संदर्भ में शिकायत भी की।

एक बड़े अस्पताल पर 20000 का जुर्माना और अस्पताल दोबारा चालू बाजार की हकीकत बताती है कि एक मरीज का बिल ही इस जुर्माना राशि को अदा करने के लिए पर्याप्त है।

छत्तीसगढ़ बजरंग दल ने दिल्ली में तरुण की हत्या के विरोध में कड़ी कार्रवाई की मांग की और जिहादी कट्टरपंथी वालो का पुतला दहन किया

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ बजरंग दल के जिला अध्यक्ष ओम रवि भारती के नेतृत्व में संगठन द्वारा दिल्ली के उत्तम नगर स्थित जेजे कॉलोनी क्षेत्र में होली के दिन हुई 26 वर्षीय तरुण की हत्या की घटना को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया गया है। इस घटना के विरोध में संगठन ने जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं राज्य सरकार को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि 4 मार्च को होली के अवसर पर एक मामूली घटना को लेकर विवाद बढ़ गया, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोगों द्वारा तरुण और उसके परिवार पर हमला कर दिया गया। इस

हमले में तरुण की मृत्यु हो गई तथा परिवार के अन्य सदस्य घायल हो गए। संगठन ने इस घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई आवश्यक है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

छत्तीसगढ़ बजरंग दल ने इस मामले की सीबीआई जांच कराने तथा सभी दोषियों के खिलाफसख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही संगठन ने यह भी मांग की कि देशभर में समाज विरोधी गतिविधियों जैसे लव जिहाद, धर्मांतरण, गौ तस्करी आदि पर सख्त कानून बनाया जाए, जिसमें 10 से 15 वर्ष तक की सजा एवं आर्थिक दंड का प्रावधान हो।

संगठन के दुर्ग जिला अध्यक्ष ओम रवि भारती ने कहा कि जब तक दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं होती और ऐसे अपराधों को रोकने के लिए सख्त कानून नहीं बनाया जाता, तब तक संगठन न्याय की मांग को लेकर आवाज उठाता रहेगा।

इस कार्यक्रम में प्रदेश पदाधिकारी गौतम जैन, चंदन राजपूत, राकेश शिंदे विभाग संयोजक कुशल तिवारी,अपूर्व सिंह कुलेश्वर यादव ,जिला मंत्री देव आशीष घोष,जिला संयोजक अश्मित साहनी,कमलेश यादव, धनेश डोरा,राजा पटेल, अनिल सोनी कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गांव-गांव चलेगा कांग्रेस का अभियान, जनविरोधी नीतियों पर होगा खुला प्रहार- नवीन जायसवाल

अनुशासनहीनता पर होगी कड़ी कार्यवाही

कवर्धा (समय दर्शन)। जिला कांग्रेस कमेटी की प्रथम जिला कार्यकारिणी बैठक जिला अध्यक्ष नवीन जायसवाल के अध्यक्षता में महात्मा गांधी व संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर जी तैलचित्र पर माल्यार्पण किया गया । टीम विस्तार के बाद आयोजित इस बैठक में जिले के सभी 8 ब्लॉकों एवं विभिन्न समाजों को प्रतिनिधित्व देकर संगठनात्मक एकजुटता का मजबूत संदेश दिया गया एवं सभी पदाधिकारियों ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया और संकल्प लिया कि संगठन को मजबूत कर एकता के साथ

मिलजुलकर कांग्रेस की विचारधारा को जन जन तक पहुचायेंगे ।

जिला अध्यक्ष श्री जायसवाल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का कांग्रेस गमछा पहनाकर व मिठाई खिलाकर सम्मान किया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब संगठन केवल नाम का नहीं, काम का होगा। हर पदाधिकारी को मैदान में उतरना होगा, गांव-गांव, वार्ड-वार्ड और बूथ-बूथ तक कांग्रेस की ताकत दिखानी होगी। निष्क्रियता और औपचारिकता के लिए संगठन में कोई स्थान नहीं रहेगा। जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकरिणी में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मंशा अनुरूप ज्यादा से ज्यादा युवाओ को स्थान दिया गया है ताकि युवा नेतृत्व आगे आ सके ।

उक्त बैठक में निर्णय लिया गया कि शहर में वार्ड अध्यक्ष एवं ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत अध्यक्षों की शीघ्र नियुक्ति कर संगठन को अंतिम पंक्ति तक सक्रिय किया जाएगा। प्रत्येक बूथ पर मजबूत टीम तैयार कर जनता की आवाज बुलंद की जाएगी।

जिला अध्यक्ष श्री जायसवाल ने दो टूक कहा कि जनता के अधिकारों पर चोट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों से लेकर सदन तक संघर्ष करेंगे। आने वाले समय में गांव-गांव जाकर जनविरोधी नीतियों को उजागर किया जाएगा और आम जनता के हक की लड़ाई पूरी ताकत से लड़ी जाएगी।

बैठक में यह भी संकल्प लिया गया कि आने वाले 2028 के विधानसभा चुनाव को लक्ष्य मानते हुए अभी से संगठन को चुनावी मोड में लाया जाएगा और कबीरधाम जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्रों में जीत सुनिश्चित करने के लिए बूथ स्तर से रणनीति लागू की जाएगी।

बैठक में जिले के कार्यकरिणी के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे और एकजुटता से काम करने का संकल्प लिया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26